



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13]

नई विस्तीर्ण, शनिवार, मार्च 29, 1975 (चैत्र 8, 1897)

No. 13]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 1975 (CHAITRA 8, 1897)

इस भाग में सिन्ह पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate compilation.)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महासंखापराधक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्थान और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India**

## मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं. डी० (21) प्र०III/प्र०II—श्री हरिहर सिंह डामी, श्रोवरसियर वो 27 जनवरी, 1975 (पूर्वाह्न) ने श्रगाने श्रादेश होने तक, मुद्रण निदेशालय के अधीन भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (नवानीकी) के पद पर स्थानापन्न नियुक्त किया गया है।

दिनांक 22 मार्च 1975

सं. एस० (68)/ए-II—सीधी भर्ती के उम्मीदवार, श्री शमशेर सिंह को 13-8-73 के पूर्वाह्न से आगले आदेश होने तक, मुद्रण निदेशालय के अधीन, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (प्रशासन) नियुक्त किया गया है।

श. म० जाम्भोलकर,  
मुद्रण-निदेशक

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक,  
नई दिल्ली-22, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं. 18278/प्रशा० II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर और 1-2-75 से 31-5-75 तक 120 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व मंजूर की गई छुट्टी की समाप्ति पर श्री बाबा सरदारी लाल

(2381)

सहायक रक्षा लेखा नियंत्रक, को पेशन स्थापना को अन्तरित किया जायेगा और 31-5-75 अप्राह्न से उनका नाम विभाग की नक्ती से निकल दिया जायगा।

एस० के० सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक  
(प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आईनेस फैबरिया

भारतीय आईनेस फैबरिया सेवा

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं. 8/75/जी—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक के पद पर उसके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं—

श्री एस० एस० नटराजन, स्थायी प्रबन्धक, 26 नवम्बर, 1974

सं. 9/75/जी—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डीएडीजी और एफ के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं—

1. श्री दी० लाल, स्थायी प्रबन्धक, 26 नवम्बर 1974

2. श्री केंद्र ग्राम प्रशासन, राजनामा उप-प्रबन्धाल, 26 नवम्बर 1974 ।

3. श्री एस० आर० चक्रवर्ती, स्थानापन्न उप-प्रबन्धाल, 26 नवम्बर 1974 ।

4. श्री जगमोहन देव, स्थानापन्न उप-प्रबन्धाल, 26 नवम्बर 1974

5. श्री एम० मुखर्जी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक, 26 नवम्बर 1974

एम० पी० आर० पिलाय  
संस्थायक महानिदेश, प्रार्डनेन्स फैक्टरिय

## धर्म भवालय

कोयला खान श्रमिक भवालय संस्था

ग्रामवाद, दिनांक फावरी 1975

स० एडम 44(37) 74—31० ५० न० चटर्जी को कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के केन्द्रीय नियंत्रितालय, खालसा आसनसोल मे दंत-चिकित्सक के रूप मे दिनांक 13-8-73 (पूर्वाल्क) से 27-8-73 (प्रपश्चात्) तारू पूर्ण आयुक्त एवं नर्स आधार पर नियुक्त नियोग दिया ।

डा० चटर्जी ने दारीब 27-८-१३ (प्रपश्चात्) से कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के अवान॑ दंत-चिकित्सक-पद का कार्यभार त्याग दिया ।

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त

## वाणिज्य भवालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति वा० कार्यालय

आयात तथा नियर्ति व्यापार नियंत्रण

ग्रामवाद

नई दिल्ली, दिनांक 1975

स० 6/563/59-प्रशा० (जी)।—सेवा नियुक्ति की आयु होने पर, श्री आर० केंद्र खण्डनवाल ने 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न मे संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस अधीक्ष), नई दिल्ली ऐ नियंत्रक, आयात-नियर्ति के पद का कार्यभार सौप दिया ।

दिनांक 26 फरवरी 75

स० 6/273/54-प्रशा० (राज०)।—समयपूर्व सेवा से नियुक्त होने पर, श्री बी० सौ० बनर्जी ने 22 जनवरी, 1975 के पूर्वाल्क को उप नियंत्रक, लोटी तथा उम्पात के पद का कार्यभार संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, ब्रह्मपुर मे सौप दिया ।

म० 6/419/56-प्रशा० (राज०)।—ग्रामपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय, ब्रह्मपुर मे श्री य० बी० परदेशी, नियंत्रक, श्रेणी-I को 9-12-1974 (पूर्वाल्क) से अगला आदेश होते तक, उसी कार्यालय मे नवर्थ आधार पर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के पद पर स्वानापन्न रूप मे नियुक्त करते हैं ।

बलदेव कुमार,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

नई दिल्ली, दिनांक

1975

ग्रामपति

स० 6/141/61-प्रशा० (राज०)।—इस कार्यालय का समर्त्थक अधिसूचना दिनांक 14 जनवरी, 1975 मे श्री सौ० के ग्रामचन्द्र राय, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति वर्जिम (गोदा) को 9-12-1974 से प्रवान द्वारा ए 113 दिन के सेवा नियुक्त पूर्व अर्जित ग्रामांश मे पहले बाले ग्रामवार 8 दिसम्बर 1974 को जोड़ने की अनुमति दी गई थी ।

ए० टी० मुखर्जी,  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

## वस्त्र अपूर्वा कार्यालय

बम्बई, दिनांक 24 फरवरी 1975

स० 10(1)/73-75/सौ० एल० बी० II—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खण्ड 5(1) मे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना स० 10(1)/73-74 सौ० एल० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 मे दिया दिया संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना मे, स्पष्टीकरण भार के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“भार इस अधिसूचना के निम्न भारतीय रुप के अन्तर्गत 1-1/8” और उससे अधिक लम्बाई के रेशेभाली रुप को छोड़कर भारत य रुप के सब प्रमेदों का समावेश होगा”

गौरी शंकर भारतीय,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

## उद्योग व नागरिक पूर्ति भवालय

(श्रौद्धोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1975

स० ए०-19018/128/74-प्रशा०सन (राजपत्रित)।—श्रौद्धोगिक लागत व मूल्य व्यूरो मे सहायक नियंत्रक के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री बी० के० हाडा ने 30 नवम्बर 1974 के पूर्वाल्क को विकास आयुक्त लघु उद्योग नयी दिल्ली के कार्यालय मे सहायक नियंत्रक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 26 फरवरी 1975

स० ए० 19018/192/75-प्रशा०सन (राजपत्रित)।—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, विकास आयुक्त लघु उद्योग के कार्यालय नयी दिल्ली के श्रौद्धोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण प्रभाग मे स्थायीकरण लघु उद्योग सं वर्द्धन अधिकारी, श्री महेन्द्र कुमार का आगामी आदेश होते हुए तद्वारा आधार पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, लूधियाना मे सहायक नियंत्रक (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न नियंत्रक वर्ते हैं। इन्होंने 18-2-1975 के पूर्वाल्क को लघु उद्योग सेवा संस्थान लूधियाना मे सहायक नियंत्रक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार भार ग्रहण किया ।

के० बी० नारायणन्,  
नियंत्रक (प्रशा०सन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्र०-I अनुभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० प्र-१/१(८१९)—राष्ट्रीय अधोरूप और निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, भद्रास के वार्तालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक श्री एम० एन० कुन्दनसाही दिनांक 31-1-75 के प्रपराह्न से निवर्तन आयु (३६ वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र-१/१(९२५)—राष्ट्रीय परीक्षक और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, अस्वर्ग के वार्तालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक, (प्र०-II) श्री पी० एस० कार्निक दिनांक 31-1-75 के प्रपराह्न से निवर्तन आयु (५८ वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

पूर्ति विभाग  
(प्रशासन शाखा-६)

शुद्धि-पत्र

सं० प्र-६/२४७(२९२)/६०—इस कार्यालय के कार्यालय अधिसूचना सं० प्र-६/२४१(२९२)/६० दिनांक 4-1-75 की नवी पंक्ति में “28-12-74” के स्थान पर “28-11-74” पढ़ें।

के० एल० कोहली,  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

हस्पात और खाज मंत्रालय

(खाज विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
कलकत्ता-१३, दिनांक, 1975

सं० २२५१ (बी०-० जे०)/१९वी—खनिज समन्वेषण विभाग लि० (मिनरल एक्स्पोर्टेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री दी० ए० जामदेकरने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में डीलर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में ९ जनवरी, १९७५ के पूर्वाह्न से अद्यतन किया है।

सं० २२२२ (दी० के० आर०)/१९ए—श्री दी० कामेश्वर राव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में ६५० रु० माहवार वार्षिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, ८-११-१९७४ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० २२२२ (एस० एस०)/१९ए—श्री एस० संकरन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में ६५० रु० माहवार के न्यूनतम वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, १८-११-१९७४ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० २२५१ (एन० पी०)/१९वी—राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि० (नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि०) से

परावर्तन पर श्री एन० पट्टाभीरमन ने डीलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ४ जनवरी, १९७५ के पूर्वाह्न से अपना कार्यभार संभाल लिया है।

सं० करुणाकरन, महानिदेशक

भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-१२, दिनांक फरवरी १९७५

सं० एफ० ९२-१०१/७५-स्थापना—श्री टी० के० चट्टो-पाध्याय, प्राणि विज्ञान सहायक को, सहायक प्राणि-वैज्ञानिक (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) के रूप में अस्थार्थी अधार पर १५ फरवरी, ७५ (पूर्वाह्न) से, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता के अन्तर्गत प्रागामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० स० खेरा  
उप-निदेशक-प्रभारी  
भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग

फिल्म प्रभाग

मुख्या और प्रमाण मंत्रालय

बम्बई-२६, दिनांक २५ फरवरी १९७५

सं० १७/२३/४९ सिड्डन्टो-१—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एन० टी० फर्नान्डोप स्थानापन्थ विभेता को फिल्म प्रभाग बम्बई में श्री डी० एन० चावला के अवकाश पर चले जाने के कारण दिनांक १२-२-१९७५ से शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक २२ फरवरी १९७५

सं० १७-३४/७४-एडमिन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप औषध-नियंत्रक (भारत) के रूप में स्थानान्तरित होने के फलस्वरूप श्री अ.र० बालमुश्त्र्याणियन से केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, पृष्ठम रुण्ड, बगड़ में १४ जनवरी, १९७५ पूर्वाह्न से उप-प्रौषध नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार त्याग दिया और २० जनवरी, १९७५ पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली गे उप-प्रौषध नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक २६ फरवरी १९७५

सं० १९-१५/६३मिन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर निकित्सा शिक्षा श्री अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के लेखा अधिकारी श्री जी० मोहनवेलु को २७ जनवरी, १९७५ पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री एस० जार्ज ने परावर्तित होने पर जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया और उसी संस्थान में 27 जनवरी, 1975 पूर्वाह्नि से सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० 20/6(1)/75-सी०जी०एच०एस०१—डा० (कुमारी) मृभाष्णी बर्मा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के त्यागपत्र के स्वीकार किए जाने के फलस्वरूप उन्होंने 22 जनवरी, 1975 (अप्राह्ल) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

है० अपठनीय  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

कृषि एवं सिचाई मन्त्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शक्ति संस्था

कानपुर, दिनांक 14 जनवरी 1975

सं० प्रशासन-19(6)/72—श्री ग्रमर नाथ निगम कार्यालय प्रधीकरक की नेष्ठा एवं भृत्यार अधिकारी के पद पर वेतनमान ₹० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई० 40-1200 तदर्थे आधार पर दिनांक 14 जनवरी, 1975 पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न नियुक्ति की जाती है।

न० श्र० रामचंद्र  
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भृत्यार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० डी०पी०एस०/१०/२२०११/१३/७४-स्थापना/२०४—इस निदेशालय की दिनांक 15 जुलाई, 1974 की प्रधिसूचना संख्या डी०पी०एस०/१०/२२०११/१३/७४-स्थापना की तीसरी पंक्ति में “अस्थायी रूप से” के स्थान पर “उसी रूप में” पढ़ा जाये।

कै० पी० जोसफ,  
प्रशासन अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1975

सं० ए०३८०१३/१/७५-ई०सी०—श्री डी० एन० शर्मा, स्थायी उपनिदेशक सहायक और स्थानापन्न तकनीकी अधिकारी,

कार्यालय निदेशक रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, नई दिल्ली ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर 31 दिसम्बर, 1974 (अप्राह्ल) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०३८०१३/१/७५-ई०सी०—श्री एच० सी० कार, स्थायी सहायक संचार अधिकारी, स्थानापन्न संचार अधिकारी, कार्यालय वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर 31 अक्टूबर, 1974 (अप्राह्ल) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०३८०१३/१/७५-ई०सी०—श्री ए० डी० एच० कारबेलो, सहायक संचार अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन, भाबुनगर ने मूल नियम 56 (अ) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत होने पर 27-१-७५ (पूर्वाह्नि) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबन्स लाल कोहली,  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० ए०२४०१२/१६/७३-ई०सी०—राष्ट्रपति ने श्री वी० एस० अव्यर, सहायक संचार अधिकारी को 1 फरवरी, 1973 से 1 जून, 1973 (पूर्वाह्नि) तक श्री जी० एस० रामाकृष्णन, संचार अधिकारी की अवकाश रिक्ति में क्षेत्रीय नियंत्रण संचार, मद्रास क्षेत्र मद्रास के कार्यालय में तदर्थे आधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबन्स लाल कोहली  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1975

सं० १/३६०/७५-स्था०—श्री ए० कै० माहले को पहली फरवरी, 1975 के पूर्वाह्नि से अग्रामी आदेशों तक आवृद्ध शाखा में अस्थायी रूप से सहायक अधियन्ता नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 फरवरी 1975

सं० १२/१/७५-स्था०—श्री जे० जी० ग्रावतरामाणी, स्थायी परियात लेखा अधिकारी, मुख्य कार्यालय, बम्बई को पहली अक्टूबर, 1974 से मूल रूप में परियात लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

गृ० ग० दामले  
महानिदेशक

बस्टर्डी, दिनांक 25 फरवरी 1975

सं० 1/356/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एवं द्वारा बस्टर्डी शास्त्र के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री डॉ बी० पठारे को अल्पालिक रिक्त स्थानों पर निम्नलिखित अधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्थ रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

मे	तक
28-10-74	16-11-74 (दोनों दिन समेत)
18-11-74	21-12-74 (दोनों दिन समेत)
	पी० के० जी० नायर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय  
पटना, दिनांक 19 फरवरी 1975

सं० 1/(7) 1-स्था०/70/1641—भारत सरकार, विन मंत्रालय (राजस्व श्री बीमा विभाग), नई दिल्ली के पश्च मि० सं० 22012/22/74-एडी० II दिनांक 17 दिसम्बर, 1974 के द्वारा निर्गत आदेश सं० 191/74 के अनुसरण में श्री पी० के० चतुर्वेदी ने दिनांक 27-1-75 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, प्रथम श्रेणी, सीमा शुल्क स्टेशन, रक्षाल का कार्यभार ग्रहण किया।

हरि नारायण साहु,  
समाहर्ता,  
पटना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1975

सं० 10—प्रशासनिक अधिकारी के कोटि में पदोन्नति होने पर श्री कृष्ण गोपाल मुखर्जी दिनांक 10-1-75 को कृष्णनगर सीमा शुल्क डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारी का भार ग्रहण किये और श्री संजीव चन्द्र बनर्जी स्थानान्तरित किये गए।

सं० 11—कृष्णनगर सीमा शुल्क डिवीजन से बदली होने पर श्री संजीव चन्द्र बनर्जी, प्रशासनिक अधिकारी, अपराह्न दिनांक 17-1-75 को बंद्वान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया और श्री एम० एल० गुहा, प्रशासनिक अधिकारी स्थानान्तरित हुए।

सं० 12—बंद्वान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन से बदली होने पर श्री एम० एल० गुहा, प्रशासनिक अधिकारी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 22-1-75 को चन्दनगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर श्री एम० एन० मुखर्जी, अतिरिक्त कार्य अधीक्षक को मुक्त किये।

सं० 13—अधीक्षक कोटि, डितीय श्रेणी में पदोन्नति होने पर श्री सिवराम गोन मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-1-75 को प्रधान कार्यालय परिच्छम बंगाल, कलकत्ता के अवकाश आरक्षित (सी०री०) अधीक्षक का कार्य भार ग्रहण किया।

सं० 14—समाहर्ता प्रधान कार्यालय से बदली होने पर श्री सूर्यकान्त दत्ता, अधीक्षक द्वितीय श्रेणी, दिनांक 4-1-75 को जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत हल्दीबरी रेज का कार्य भार ग्रहण किये।

सं० 15—कृष्णनगर सीमा उत्पादन शुल्क डॉ० पी० य० से मुक्त होने पर श्री लितितोष चक्रवर्ती, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, जो अस्साई रूप से स्थानान्तरित हुए थे, मध्याह्न पूर्व दिनांक 8-1-75 को पेट्रोल क्षेत्र (सर्कल) के अन्तर्गत पेट्रोल रोड सीमा शुल्क स्टेशन का कार्यभार ग्रहण किये।

सं० 16—श्री जतीन्द्र मोहन चक्रवर्ती, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, जो अब तक जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन में अधीक्षक (निरोध) का कार्य कर रहे थे, अपराह्न दिनांक 31-1-75 को सरकारी नौकरी से सन्यास ग्रहण किये।

एन० एन० राय औधरी  
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क  
परिच्छम बंगाल, कलकत्ता

केन्द्रीय जल आयोग  
नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

सं० क-19012/531/74-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (अब केन्द्रीय जल आयोग) एतद्वारा श्री कुलदीप सिंह, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के रूप में स्थानापन्थ क्षमता में के० जल श्रीर वि० आयोग (जल संधि) में रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 के बेतन मान में 9 अक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कुलदीप सिंह ने बदलुर ताप विद्युत परियोजना में उपरोक्त विविध एवं समय से सहायक अभियन्ता के कार्यालय का कार्यभार सम्भाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक फरवरी 1975

सं० क-19012/486/74-प्रशा० 5—अपने त्यागपत्र के स्वीकृत हो जाने के परिणामस्वरूप श्री बी० के० राजीव ने 3 फरवरी, 1975 के अपराह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग के पद का कार्यभार स्थान दिया है।

जंगलेर सिंह,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

### फर्मनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

दिनांक फरवरी 1975

कम्पनी ग्रंथितियम्, 1956 प्रौर मेहुता फारमासिटिकलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० श्री०एन०/5177/560--कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह  
 सुन्धान थी जाती है कि छस तारीख के तीन मास के अवसान पर  
 मेहता फारमासिटिकलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
 कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और  
 उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मणिवस्थ रोडवेस प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

सं० डी०एन०/4856/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम  
 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्  
 द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान  
 पर मणिवज्ज्ञन रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
 कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और  
 उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्वरूपम् ट्रांसफोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं. डी.एन. 4895/560 (3) 75—कम्पनी ग्रंथिनियम  
 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
 एकद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से सीन मास के  
 प्रवासान पर स्वरूपम ट्राईसोटंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम  
 इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया  
 जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जास्मिन ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

सं० डी०एन०/5075/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद-  
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के  
भ्रवसान पर जास्मिन ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके  
प्रतिकूल कारण दरिशन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि मद्रास इंजीनियरी वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० ई०एन०/5108/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम  
 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-  
 धारा यह सूखना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान  
 पर दि मद्रास इंजीनियरी वर्कस प्रार्थिट लिमिटेड का नाम इसके  
 प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया  
 जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मॉलेशियस ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

सं० डी०एन०/5012/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम  
 1956 की धारा 560 की उधारा (3) के प्रत्युत्तरण में एतद्-  
 वारा यह सुनवा दी जाती है कि १९५८ ता० रिक्विएट का नाम इसके प्रतिकूल  
 पर मैलेरी बस ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
 कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा  
 और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगो ।

## एस० श्रीनिवासन, कम्पनियों राज रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हरनबस्वेणवर डेरी एण्ड  
फार्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 21 फरवरी 1975

सं 2129/डिस/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हरनवस्थेश्वर डेरी फार्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निस्टी फार्म एन्ड फार्म एड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 2130/डिस/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर निस्टी फार्म एन्ड फार्म एड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

## प्रबोध, कन्यनियों का रजिस्टार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं अक्यू प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० 13674/560 (3) — कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अक्यू प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

## एस० नारायणन् कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्टर महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राष्ट्रीय साहित्य निकेतन

लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० 1060/2439—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर राष्ट्रीय साहित्य निकेतन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचारित कर दी जाएगी।

आर० के० जैन,  
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कार्यालय, आयकर आयुक्त, बिहार -I  
पटना, दिनांक 20 फरवरी 1975

सूचना

निम्नलिखित निर्धारिती जिनपर विस्तीर्ण वर्ष 1973-74 के मध्य 5,000/- रुपये से कम अर्थ दंड नहीं लगाया गया था, की नामावसी प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत प्रकाशनार्थ अधिसूचित की जाती है।

क्र० सं०	नाम संघर्ष पता	हैसियत	निर्धारण- वर्ष	अर्थदंड राशि
1	2	3	4	5
1	श्री सत्यदेव सिंह, कटरास	अधिकितगत	1970-71	5,703/-
2	भैरव दत्तीण ट्रेडिंग क०, कटरास	फर्म	1971-72	8,007/-
3	अग्रवाल ब्रॉम, धनबाद	अधिकित समूह	1962-63	2,53,239/-
4	दुर्गा कौल क०, बंसजोरा	फर्म	1967-68	97,721/-
5	"	"	1968-69	75,712/-
6	"	"	1969-70	1,12,213/-
7	आईडीयल केशलपुर कौल० और सेलेक्टेड केशलपुर कौल०, कटरास	"	1970-71	5,314/-
8	ईस्ट कुजमा कोलयरी, झरिया	"	1962-63	50,000/-
9	"	"	1963-64	11,220/-
10	महेश ल.लामाब, राजगंगा	हिं० श० कु०	1968-69	8,000/-
11	मत्यदेव सिंह, कटरास	अधिकितगत	1970-71	22,700/-
12	चनचनी ब्रॉम, (कौट०) प्राइवेट लिं० धनबाद।	कम्पनी	1970-71	5,000/-
13	एच० बी० धनचनी, शांति भवन, धनबाद	अधिकितगत	1970-71	5,000/-
14	मेसर्स हिन्दुस्वान मालाएवुलस एण्ड फौर्गीन्स लिं० धनबाद	लिं० क०	1966-67	45,587/-
15	"	"	1967-68	24,036/-
16	"	"	1968-69	19,178/-
17	"	"	1969-70	19,256/-
18	श्रीपति सरवनी देवी, द्वारा कुंदन लाल सत्यनारायण, कीरकेन्द	अधिकितगत	1970-71	14,000/-
19	श्रीपति सरवनी देवी, द्वारा कुंदन लाल सत्यनारायण, कीरकेन्द	अधिकितगत	1971-72	8,000/-
20	मेसर्स भारत ट्रैक्स क०, झरिया	फर्म	1971-72	5,400/-
21	श्री पी० एम० चौहान, धनबाद	अधिकितगत	1969-70	6,268/-
22	मेसर्स देवतराम दुलीचन्द, झरिया	फर्म	1968-69	19,648/-
23	"	"	1969-70	38,463/-
24	"	"	1970-71	35,600/-
25	दुलीचन्द अग्रवाल, झरिया	अधिकितगत	1970-71	5,333/-
26	द्वारका दास अग्रवाल, झरिया	"	1970-71	6,787/-
27	श्री प्रयाग लाल अग्रवाल, झरिया	"	1970-71	8,062/-
28	मेसर्स मास्तान लाल हनुरायण, झरिया	फर्म	1969-70	6,243/-
29	"	"	1969-70	5,140/-
30	श्री मोहन लाल अग्रवाल, कीरकेन्द	अधिकितगत	1968-69	16,399/-
31	"	"	1967-68	19,343/-
32	"	"	1966-67	13,060/-
33	श्री एतवारी महतो, धनबाद	"	1966-67	18,500/-
34	श्री छन्द जीतेन्द्र नारायण मिह०, स्व० राजा बहादुर कामारुद्द्या नारा- यण मिह० पद्मा, हजारीबाग के कानूनी उत्तराधिकारी	"	1967-68	16,000/-

जगदीश चन्द्र०  
आयकर आयुक्त, बिहार-1, पटना

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० एफ० अर्जन/120/आगरा/74-75/2933—  
यतः, मुझे, वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 9/(6)/39/89 है तथा जो 80, मास्टर प्लान, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में लिए सुविधा के लिए,

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वीना देवी पत्नी श्री राम स्वरूप भलहोत्रा, 9 लाजपत कुंज, मास्टर प्लान रोड, आगरा (अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद पुत्र श्री करम चन्द और श्रीमती संतोष पत्नी श्री गुरुवचन, निवासी 42, रिंग रोड, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 9/(6)/39/89, अस्सी मास्टर प्लान, रोड, आगरा। जिसका हस्तान्तरण 1,20,000 मे हुआ है।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक 24 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० एफ० 124/अर्जन/आगरा/74-75/2934—

यतः, मुझे, वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० 6/363 है तथा जो लाजपत कुंज, आगरा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2—516GI/74

1. श्री लूबीन चन्द धवन पुत्र श्री शिव दयाल धवन, निवासी एन०-105, ग्रेटर कैलाश, देहली (अन्तरक)

2. श्री सरदार गुरुनंजीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह निवासी 21, माल रोड, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध ने कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हैतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 6/363, स्थित लाजपत कुंज, आगरा जिसका हस्तान्तरण 80, 000 में हुआ है।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 24 फरवरी 1975।

मोहर:

## प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/119/आगरा/74-75/2935—यतः, मुझे,  
वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/79 है तथा जो दरेसी नं० 2, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 जुलाई 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की आबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए 'सुकर बनाना'; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

यतः, ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम 1961 (1961) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मौ० ओमर पुत्र श्री मौलावस्स, मुसम्मात नसरीन, विधवा श्री गुलामुद्दीन, तहसीन पुत्री जहीरुद्दीन, श्री खलीलुद्दीन, पुत्र श्री गुलामुद्दीन, मीसो पुत्री गुलामुद्दीन, बौआ पुत्री गुलामुद्दीन वसीरन आली पास वासी पत्नी श्री नुरुद्दीन अलिपास चुना यूसिफ पुत्र चुना, चीना पुत्र श्री चुना, मिस्टर आलिपाज मीराजुद्दीन पुत्र श्री चुना सामीन पुत्र श्री चुना, मुवीना पुत्र श्री चुना, जरीना पुत्र श्री चुना, मुवीना पुत्र श्री चुना, अफरोज पुत्र श्री चुना, अब्दुल अजीज पुत्र श्री इमतियाज, इमतियाज, अजीजान पुत्री इमतियाजी, अल्लादिपा पुत्र सादौ अब्दुल सत्तार पुत्र श्री इमतियाज, अब्दुल गपफार पुत्र श्री आलिपास शाहजाद, हफीजान पुत्री सादौ आलिपास शाहजादी मुना पुत्र असगरी, मेहकल पुत्री मिं० असगरी,

सभी निवासी:—मौहल्ला जीनखाना, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री मुनी साल पुत्र श्री ताराचन्द, श्री गोपाल दास, श्री ओम प्रकाश पुत्रगण स्व० श्री शंकरलाल सभी निवासी, छाता बाजार, आगरा

(अन्तरिती)

4. श्री विश्वामित्र प्रसाद आलिपास श्री विश्वेश्वर प्रसाद, 3/79, दरेसी नं० 2, आगरा। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उ सम्पत्ति के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दरेसी नं० 2, आगरा में स्थित अचल सम्पत्ति जिसका नं० 3/79 है, इसका हस्तान्तरण रु० 40,000 में किया गया है।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 24 फरवरी 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० हिसार/30/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-पे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 13 कनाल, 8 मरले, खसरा नं० 166/15-16 है तथा जो गांव सतरोद खास, तहसील हिसार में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (रजिस्ट्रीकर्तं अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवताः :—

1. श्री जोस राम पुत्र श्री मातृ जाट, गांव और डाक-खाना सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार (अन्तरक)

2. दी प्रिंसिपल आफिसर, मै० टरासेबल चेन्ज इन्डिया लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस 67, शारदानन्द मार्ग, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

3. श्री परमानन्द पुत्र लेट श्री गोपी चन्द आहूजा फाजिलका। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 13 कनाल 8 मरले, खसरा नं० 166/15-16, जोकि गांव सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार में स्थित है जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 809, जून 1974 में सब-रजिस्ट्रार हिसार के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आकायर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 4 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-बी०

चण्डीगढ़ दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० हिसार/39/74-75—यतः, मुझे, जी० पी०  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 7 मरले, खसरा नं० 166/14-17 है तथा जो गांव सतरोद खास, तहसील हिसार, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सर्वं श्री (i) नियानी (ii) तेजू राम पुत्र श्री जीत राम, निवासी गांव और डाकखाना सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार (अन्तरक),

2. दी प्रिसिपल आफिसर, मै० टरांसवेल जैंज इन्डिया लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस, 67, शारदानन्द मार्ग दिल्ली-6 (प्रत्तिरिती)

3. श्री परमा नन्द आहूजा, पुत्र लेट श्री गोपी चन्द्र आहूजा, फाजिल्का (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 7 मरले, किला नं० 166/14-17, जो कि गांव सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्री कूत के विलेख नं० 811 जून 1974 में सब-रजिस्ट्रार हिसार के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक: 4 फरवरी 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० हिसार/40/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल 5 मरले, किला नं० 166/6-41, है जो गांव सतरोद खास, तहसील हिसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री गियानी, श्री तेजू राम पुवान श्री जोत राम, निवासी गांव और डाकखाना सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार।  
(अन्तरक)

2. वी० प्रिसिपल आफिसर, मै० टरांसवैल अन्ज इन्डिया लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस 67, शरदा नन्द मार्ग, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

3. श्री परमानन्द आहूजा पुल लेट श्री गोपी चन्द्र आहूजा फाजिलका (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल 4 मरले, किला नं० 166/6-4, जोकि गांव सतरोद खास, तहसील और जिला हिसार, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 815, जून 1974 में सब-रजिस्ट्रार हिसार के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 4 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० हिसार/41/74/-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल खसरा नं० 166/71 है तथा जो गाव सतरोद खास, तहसील हिसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अन्तरण में सुविधा के लिए और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोत राम पुत्र श्री मातृ जाट, गांव और डाक-खाना सतरोद खास तहसील और जिला हिसार। (अन्तरक)

2. दी प्रिसिपल आफिमर, मै० टरांसवैल चेन्ज इन्डिया लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस 67, शरद्धानन्द मार्ग दिल्ली-6 (अन्तरिती)

3. श्री परमानन्द पुत्र लेट श्री गीपी चन्द आहूजा, फाजिलका। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्गन में संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ गोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल, खसरा नं० 166/7, जोकि गांव सपरोद खास, तहसील और जिला हिसार में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 819 जून, 1974 में सब-रजिस्ट्रार हिसार के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 4 फरवरी 1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2666/74-75-ए०सी०क्य०-  
(बी०) —यसः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 568- 579, व 570 है जो अशोका मार्कीट, अवैन्यू रोड, बैगलूर-2 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलूर-9 दस्तावेज नं० 1211/74-75 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या 'धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) आर० एस० सत्यानारायण सेट्टी,  
(2) आर० जी० विश्वानाथ सेट्टी,  
नं० 12, अप्पाजप्पा श्रग्हारा, बैगलूर-18।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० शान्ताम्मा पत्नी श्री एन० आर० रामसेट्टी, नं० 5 शरदानन्दा रोड, बी० बी० पुरम्, बैगलूर-4

(अन्तरिती)

- (1) ग्रननता ग्लास इम्पोरियम,  
(2) टी० के० ननजुनडा सेट्टी,  
(3) गुन्डा ज्योती फार्मेसी,  
(4) कलकराज एण्ड कम्पनी,  
(5) राधबेन्द्र सिल्क कोटी,  
(6) जय एजेन्सी,  
(7) बंगलूर स्टेशनरी मार्ट,  
(8) के० नन्द कुमार,  
(9) टी० एम० ड्रेसिज,  
(10) फिशोर प्लास्टिक्स,  
(11) टैक्स टाइल्स,  
(12) मारुती पेपर मार्ट,  
(13) जय एजेन्सी,  
(14) टी० के० ननजुनडा सेट्टी,  
(15) टी० के० ननजुनडा सेट्टी,  
(16) बी० सौन्दरराज  
(17) प्रेम चन्द,  
(18) शान्ती लाल,  
(19) तुलसीदास अशोककुमार,  
(20) मुरलीधर मूलचन्द,

(वह व्यक्ति जिसके बारे अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप, :—

- इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्ती का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति नं० 568,569, और 570, अशोका मार्कीट, अवैन्यू रोड, बैगलूर-2।

दस्तावेज नं० 1211/74-75 दिनांक 14 जून 1974।

आर० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैगलूर।

दिनांक : 14 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2667/74-75—यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 568, 569; और 570 है जो अशोका मार्किट, अवैन्यू रोड, बैंगलूर-2 में स्थित हैं (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर बैंगलूर-9 दस्तावेज नं० 1212/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें छचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमकी धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) आर० एस० सत्यनारायण सेट्टी,
- (2) आर० जी० विष्वानाथ सेट्टी, (अन्तरक)
- श्री वी० राजगोपाल सेट्टी, नं० 405, अवैन्यू रोड, बैंगलूर (अन्तरिती)
- (1) श्री अनन्त ग्लास एम्पोरियम,
- (2) टी० के० ननजुन्द सेट्टी,
- (3) गुन्डा ज्योति फार्मसी,

(4) कनकराज एण्ड कम्पनी,

(5) राष्ट्रबेन्द्र सिल्क कोटी,

(6) जय एजेन्सी,

(7) बैंगलूर स्टेशनरी मार्ट,

(8) के० नन्द कुमार,

(9) पी० एम० ड्रेसिंग,

(10) किशोर प्लास्टिक्स,

(11) टैक्स टेलस,

(12) मास्ती पेपर मार्ट,

(13) जय एजेन्सी,

(14) टी० के० ननगुन्डा सेट्टी,

(15) टी० के० ननगुन्डा सेट्टी

(16) वी० सौन्दरराज,

(17) प्रेम चन्द्र,

(18) शान्तीलाल,

(19) तुलसीदास अशोक कुमार,

(20) मुरलीधर मूल चन्द्र।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावर सम्पत्ति:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होशा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 568, 569 और 570 अशोका मार्किट, अवैन्यू रोड, बैंगलूर 2

दस्तावेज नं० 1212/74-75 दिनांक 14 जून 1974

आर० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बैंगलूर-2।

दिनांक 14 फरवरी 1975।

भोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर का कार्यालय,

बैंगलोर दिनांक 15 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2650/74-75 यत०, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 260 है जो प्यालस अप्पर आचरडेस,  
बैंगलोर में स्थित है (और इससे उपाबुद्ध अनुसूची में और  
पूँज रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गान्धी नगर, बैंगलोर दस्तावेज नं० 998/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 1 जून 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अस्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-ए के अनुकरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए  
को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—516GI/74

1. श्रीमती प्रेमलता कोतावल, 74, मिल्लन रोड,  
बैंगलोर-52 (अन्तरक)
2. श्री लोट्टभाई बी० पटेल,  
(2) श्रीमती मालती सी० पटेल,  
380, इंदिरा नगर, II स्टेज, बैंगलोर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आशेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जगह प्लाट नं० 260, अप्पर प्यालस आरचेस,  
बैंगलोर।

सैट क्षेत्रफल 40'—91'—3640 वर्ग फीट,  
दस्तावेज नं० 998/74-75 दिनांक 1 जून 1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज बैंगलोर।

दिनांक: 15 फरवरी 1975।  
मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ए (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज बंगलूरु  
 बंगलूरु, दिनांक 14 फरवरी 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/2618-ए०/74-75—यतः  
 मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 996/116 है, जो IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूरु-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूरु-10 दस्तावेज नं० 1399/74-75 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रनगांचार्य, उत्तरादि मठ बसवनगुडि, बैंगलूरु-4 (अन्तरक)

2. श्री एच० एस० मुहैगोडा, 71/12, राजाजीनगर, बैंगलूरु-10 (अन्तरिती)

3. श्री (1) पी० बी० रामकृष्णन

(2) कब्रसद गोडा

(3) शफिउल्लाह खान

(4) एस० प्रभ० पुदुस्वामि

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 996/116, IV ब्लाक, राजाजीनगर बंगलूरु-10, क्षेत्रफल 3825 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 1390/74-75 ता० 6-6-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, बंगलूरु।

तारीख: 14-2-1975

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 15 फरवरी 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/2660/74-75—यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे हमके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जितकी सं० सेट नं० 371 है, जो प्यालस अपर आर्चेंस, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर-9 दस्तावेज नं० 1092/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ्रंग बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णातः—

1. श्री के० नीलकान्त अर्थर 9/1 ऐविस रोड, सिविल स्टेशन बैंगलूर 1। (अन्तरक)

2. श्री (1) डा० एम० राजू  
(2) एम० मदन,  
(3) एम० सुरेश 1624/5 नागप्पा लालक, श्रीराम-पुरम, बैंगलूर-21। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेट नं० 371, अप्पर प्यालस आर्चेंस बैंगलूरू।

प्रतिफल 8860 वर्ग फीट।

दस्तावेज नं० 1092/74-75 ता० 7-6-74।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूरू।

तारीख : 15-2-1975

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय  
 बैंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1975  
 निदश सं० सी० आर० 62/2656/74-75—यतः मुझे आर०  
 कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दूकान और मकान नं० 18 से 26 और 408 से 411 है, जो समपिंगे रोड, VIII क्रास, मल्लेश्वरम बैंगलूर-3 में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर-9 दस्तावेज नं० 1071/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और या;  
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुनिरत्नमूर्ति,
- (2) श्री वै० जी० मुनिचन्द्र गौडा  
 यलहन्का टीन, बैंगलूर नार्थ तालुक  
 2. श्री (1) एन जगन्नाथ

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एन० विश्वनाथ, 106, आर० टी० स्ट्रीट,  
 बैंगलूर सिटी।  
 (अन्तरिती)  
 (1) एस० श्री निवास (2) नागराज  
 (3) श्री के० सन्तोषी राव,  
 (4) श्रीमती शान्तमूर्ति  
 (5) के० अरुमुगम  
 (6) श्री पद्माली राव,  
 (7) श्री बी० एम० सुब्रह्मन्यन  
 (8) श्रीमती पापमूर्ति  
 (9) श्री जे० एन० कृष्णन,  
 (10) श्री कमलमूर्ति  
 (11) श्री बी० कोहन्डराम  
 (12) एम० नारायणस्वामी  
 (13) एम० मुनिवेन्कटप्पा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंचालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषण शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, सही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दूकान और मकान नं० 18 से 26 और 408 से 411 समपिंगे रोड, VIII क्रास मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3, पूर्व पश्चिम 120', उत्तर दक्षिण 20 फीट, क्षेत्रफल 3600 वर्ग फीट

सीमा—

पूर्व—कनजरवेसी रोड

पश्चिम—समपिंगे रोड

उत्तर—VIII क्रास

दक्षिण—नागप्पा का मकान

दस्तावेज नं० 1071/74-75 तारीख 6-6-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 14-2-1975।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2664/74-75—यतः

मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 14, है, जो क्रास, I मैन और समपिंगे रोड के मध्य, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर-1 में दस्तावेज नं० 1207/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-6-74 को की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के सुविधा लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शार० हक्मिनी, मुख्तारनामीटी० न० कृष्णराव, 64, IV, क्रास, रिविम्प्लान पूल, एक्सटेंशन, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3। (अन्तरक)
2. श्री जी० वासुदेव, 14, V क्रास, मल्लेश्वरम डॉ० कृष्ण-शर्मा, बैंगलूर-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्म के लिए एतद्वारा कार्यान्वया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

### अनुसूची

मकान नं० 14, V क्रास (100 फीट रोड) I मैन रोड, और समपिंगे रोड के मध्य, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3। क्षेत्रफल 30 फीट × 62 फीट = 1860 वर्ग फीट। दस्तावेज नं० 1207/74-75 ता० 14-6-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 14-2-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 15 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2663/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ष के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रिक्त भूमि नं० 19 (पुराना 9) 1 मैन रोड, जयपहल है, जो एक्सटेनशन, बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर-9 वस्तावेज नं० 1205/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-674 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वाक्तापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असू :—

1. श्री डा० जी० ओरया सुपुत्र बोरे गौडा, बाटनी के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ एप्रिकल्चरल कालेज, बंगलूर-24। (अन्तरक)
2. श्री गिरियम्मा पल्ली लेट वेनकटप्पा तुम्बोडी गांव, कोरटगोरे तालूक, तुमकुर जिला, मुख्यारनामी, टी० एस० सीताराम (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताक्षील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइक्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 19 (पुराना नं० 9), I मैन रोड, जयमहल एक्सटेनशन, बैंगलूर-46।

$$\text{क्षेत्रफल } 45' \times \frac{70' + 61'}{2} = 2947 \text{ वर्ग फीट}$$

सीमा—

पूर्व—30 फीट कास रोड,  
पश्चिम—रामचंद्र सिन्हजी, भरत सिन्हजी की सम्पत्ति।  
उत्तर—एम० बसपा का प्लाट।  
वर्षिण—श्रीमती गौरम्मा की जमीन।  
दस्तावेज नं० 1205/74-75 दा० 14-6-1975।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सभी प्रायिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 15-2-1975

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 12 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2581/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० (27), 2718 बसप्पा के ओर गविपुरम, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर-4 (दस्तवेज नं० 1047/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रस : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षत :—

1. श्रीमती महादेवम्मा और अडविशराद्य 121, IV मैन रोड, चामराजपेट, बैंगलूर सिटी । (अन्तरक)
1. श्रीमती आर० मारदम्मा, 25, 9th क्रास, कब्बनपेट, बैंगलूर सिटी, (अन्तरिती)
3. (1) श्री एन० जी० आर० नायडू  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मकान नं० 27 (2718) बसप्पा के ओर, गविपुरम बैंगलूर । क्षेत्रफल 75 फीट  $\times$  45 फीट = 3375 वर्ग फीट ।

सीमा—

पूर्व—सैट नं० 26 ।

पश्चिम—40 फीट रोड ।

उत्तर—रोड :

सैत—सम्पत्ति नं० 28 ।

दस्तवेज नं० 1047/74-75, तारीख 1-6-1974 ।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 12-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 फरवरी, 1975

निर्देश सं० सी० आर०-62/2738/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सैटन० 463/डी० है, जो राजमहल विलास एक्स-टेन्शन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर-9 (दस्तावेज नं० 1630/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप ता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० पी० राजसेखर, 920, लक्ष्मीपुरम, मसूर-4 (अन्तरक)

2. श्रीमती के० एस० लता, सुपुत्री के० सी० सुशीला रनाराव क्रास, बसवनगुडि, बैंगलूर-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ये ही भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की अवधि, या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

रिक्तभूमि सं० 463/डी०, राजमहल विलास एक्सटेन्शन, बैंगलूर।

क्षेत्रफल 40 फीट—60 फीट—2400 वर्ग फीट।  
दस्तावेज नं० 1630/74-75 ता० 11-7-1974।

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 15-2-1975।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वैगलूर

वैगलूर, दिनांक 24 फरवरी, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2772/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,110/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० मकान नं० 15 है, जो आश्रम रोड, जयलक्ष्मीपुरम एक्सटेंशन, मैसूर-12 में स्थित है (जोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मैसूर (दस्तावेज नं० 1351/74-75) ने भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-74 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विष्याग नारने वा तारण है कि गयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल तक अन्तर है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को ब्रावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

4—516GI/74

1. श्री बालगोपाल वर्मा, जयलक्ष्मीपुरम, मैसूर । (अन्तरक)  
2. श्रीमती मेरी माथियू, 15, आश्रम रोड, जयलक्ष्मीपुरम  
मैसूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमूल्य

मकान नं० 15, आश्रम रोड, जयलक्ष्मीपुरम, मैसूर-12 ।

प्रतिफल  $\frac{100' + 91'}{2} \times 150' - \frac{65 \times 75}{2} = 1425.5$  वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 1351/74-75, तारीख 15-7-74 ।

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, वैगलूर ।

तारीख : 24-2-1975 ।

मोहर :

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 फरवरी, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2580/74-75—यतः मुझे आर० कुण्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 14 है, जो यादवगिरि एक्सटेंशन, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर (दस्तावज नं० 794/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मैसूर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती लीलावती, मालाबाई और जयश्रीबाई, 1178, कुरुबगेरी, लक्षकर मोहल्ला, मैसूर। (अन्तरक)

2. श्री (1) ए० एम० चिन्नप्पा,

(2) श्रीमती वनगम्मा चिन्नप्पा श्रीर ए० अप्पाथ०, आजाद हिन्द एस्टेट, पोलिबेट्टा विक्रान्त टैरस लिमिटेड, सौत कुर्ग, 13 कास, कालिङ्ग रोड, वी० वी० मोहल्ला, मैसूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैव्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रिभापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 14, यादवगिरि एक्सटेंशन, मैसूर।

प्राउण्ड फ्लोर 18 वर्ग गज।

पहला फ्लोर 12 वर्ग गज।

दस्तावेज सं० 794/74-75 ता० 1-6-1974।

आर० कुण्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 14-2-1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24-2-1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2651/74-75—यतः मुझे  
आर० शृण्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन भक्ति अधिकारी को,  
गह विवाह नहीं कराता है कि स्थावर रामपति, जिसका  
उचित वार्षिक दूष्य 25,000/- नाम से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट 463/डी० है, जो राजमहल विलास एक्सटेनशन  
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर,  
बैंगलूर (दस्तावेज नं० 1022/74-75) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-6-74  
की पूर्ववित सम्पत्ति के उनित आजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरिक्ष को गई है और यह सहित विवाह का कारण है कि  
प्रथापूर्वोक्त रामपति ना उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के  
प्रोत्तर तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उसमें बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या बनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया या किया जाना चाहिए, या,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० पी० राजसेखर, 920, लक्ष्मीपुरम, भैसूर-4  
(अन्तरक)

2. कुमारी के० एस० नविनी, "सिद्धरामकृपा", 38, रन्नाराव  
रोड, शनकरपुरम, बैंगलूर-4। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन, यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितशब्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, यही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 463/डी०, राजमहल विलास एक्सटेनशन,  
बैंगलूर।

क्षेत्रफल 60 फीट  $\times$  40 फीट = 2400 वर्ग फीट।

दस्तावेज नं० 1022/74-75, तारीख 3-6-1975।

आर० शृण्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख : 24-2-1975।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2695/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रिक्त भूमि कारपोरेशन नं० 205 है, जो डिवीजन 31, गविपुरम, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन्गुडि, बैंगलूर-4 (दस्तावेज नं० 1496/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रद्धिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रस्तः ग्रब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात:—

1. (1) श्रीमती लक्ष्मीदेवी, (2) श्री रामन्ना, IV आस, चामराजपेट, बैंगलूर-18। (अन्तरक)

2. (2) श्रीमती के० पुद्मन्ना, 27/3, V आस, के० जी नगर, बैंगलूर-19 (2) नरसम्मा, 231/12, III मैन, के० जी० नगर, बैंगलूर-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टॉकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि कारपोरेशन असेसमेन्ट नं० 205, डिवीजन नं० 31, गविपुरम, बैंगलूर।

कोन्काल 40°+97'235'—16332 वर्ग फीट।

दस्तावेज नं० 1496/74-75, तारीख 26-6-1974  
सीमा:—

पूर्व—तार रोड।

पश्चिम—हिलक।

उत्तर—भाधवराथर की जमीन।

दक्षिण—तागप्पा जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 25-2-75  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन भवन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, कानपुर

कानपुर दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/23/हरिद्वार/74-75/2961—अतः

मुझे वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधायक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी अनुसूची के अनुसार है तथा जो जोधामल रोड हरिद्वार पर ज्वालापुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-1974 को

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विधायक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण क्लिक्स में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हूई किसी उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायाय में कपी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपरांत (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

1. श्रीमती राधा आलियास राधाबाई पत्नी श्री केशवदेव निं० श्रवणनाथ नगर मायापुर, पर० ज्वालापुर, हरिद्वार जिला  
(अन्तरक)

2. श्री रामप्रकाश पुत्र श्री नवनीयत राम निं० पहाड़ी बाजार, कैनद्वाल, पर० ज्वालापुर, हरिद्वार, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भान्तर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आचल सम्पत्ति जो कि जोधामल रोड हरिद्वार पर० ज्वालापुर में स्थित है इराका बने भाग में तीन गोदाम एक कोठरी, गायन और सीढ़ियां हैं। इसका हस्तांथतरण रु० 35,000/- में किया गया है।

(वाई० खोखर)

सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज कानपुर।

तारीख: 3-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ग्रंजन/22/हिन्दूर/74-75/2961—श्रतः मुझे  
दाई० योहर यायकर अधिनियम, 1961

( 1961 का 43 ) ( जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की भारा 269-ध के अधीन १४४म प्राधिकारी को, यह विषयाग करने का अरण है कि न्यूवर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैवि कि अनुसूची में है तथा तो पोधामल रोड, हरिद्वार में स्थित है ( और इनसे उपायद्व अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता शपिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 ( 1098 का 16 ) के अधीन तारीख 20-6-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाये गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और /या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१. श्रीमती राधा आलियास राधाबाई पत्नी श्री केशव दास निवासी श्वरणनाथ नगर, मायापुर परगना ज्वालापुर, हरिहार।  
(मृत्यु)

2. श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री रामप्रकाश पुत्र श्री नवनीवत्त  
राम निं. पहाड़ी बाजार, कन्खल, परगना ज्वालापुर, हरिद्वार।  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है। उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रधानमंत्री तारीख से ५० दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना वी तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ मे समाप्त होती हो, औ भीतर पूर्वोक्ता व्यक्तिया म स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसारी

अचल सम्पत्ति स्थित जोधामल रोड, पर० ज्वालापुर, हरिदार बने हुए 3 कमरे दो कमरे विनाइट के दो लेटरीन, दो बाथरूम, एक किचन और एक स्टोर जिसका क्षेत्रफल 204.39 वर्गमीटर है। हसका हस्तांतरण 35,000/- रुपये में किया गया है।

दिनांक : 3-3-75  
मोहर :

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज कानपर ।

वाई० खोखर

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० सि०आर०-62/2682/74-75—अतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1971 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 50/ए-1 है जो प्यालस रोड, बैंगलूर-1  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बैंगलूर  
दस्तावेज नं० 1472 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-6-74 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के १००% निश्चय अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियमकी धारा, 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्रीमती निर्मला वार्ड पत्नी श्री सी० के० पन्न० राव  
355, I आल, I ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)
2. 1. असोसिएटेड ट्रेडिंग कार्पोरेशन 4, इंड्राहीम साब  
स्ट्रीट, बैंगलूर-1
2. जकरिया हाशिम, 11, एडवर्ड रोड, बैंगलूर-1
3. सिराजोद्दीन (अन्तरिती)
2. सादात अली खान
3. मोहम्मद हुसेन भागीदार असोसिएटेड ट्रेडिंग कार्पोरेशन
4. हिरुर दयानन्द सेटी 5, फेसेट रोड, बैंगलूर-1
5. सिरिक जे० पिनटो 17/20, स्वेन्सर आस रोड, फेजर  
टौन बैंगलूर-5

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षार  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप यदि  
कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 50/ए-1, प्यालस रोड, बैंगलूर-1

पूर्व : 78'6"

पश्चिम : 92'

उत्तर : 60'

दक्षिण : 60'

दस्तावेज नं० 1472/74-75 तारीख 28-6-74।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
तारीख : 26-2-75। महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),  
मोहर : अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक, स्थायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैगलूर

बैगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश स० सी० आर०-62/2683/74-75—अत मूल्य आर० कृष्णमूर्ति (जिसे इसके पश्चात 'उक्त प्रविनियम, वहा गया है) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन का अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इसके अधिकारी को, यह उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट न हो अधिक है और जिसकी स० सैट न० 50/ए-2 है, जो लालाल रोड, बैगलूर में स्थित है (प्रौद्योगिकी उपादान अनुदूषी ने और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्षिक शान्तीनगर बैगलूर में भारतीय रजिस्ट्री वार्ता प्रिन्सिप, 908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्भूत वीर्य है और मूल्य यह विश्वास तरहे या नार्थ है कि पथार्वेंकन गम्भीर वाजार मूल्य, उन्हे दृश्यमान प्रतिफल गे एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गुनिशत से अधिक है और अन्तर्भूत (नार्थ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण प्रिन्सिप में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किंवा आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्बंध के दायित्व में वर्ती करने या उसमें बदलने के निए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उसके अन्तर्भूत अन्तरण 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

अतः अब, उक्त अधिनियमकी धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं आयकर उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्रीमती निर्मला बाई पल्ली सी० के० एस० राव नं० 355, I कास, I ब्लाक, जयनगर, बैगलूर-11 (अन्तरक)
2. (1) असोसिएटेड ट्रेडिंग कारपोरेशन, 14 इब्राहिम साहेब स्ट्रीट, बैगलूर- (अन्तरिती)
3. जकरिया हाशिम 11 एडवर्ड रोड, बैगलूर-1
4. श्री मिराजोदीन
5. सादात अली खान
6. मोहम्मद दुसेन भागीदार असोसिएटेड ट्रेडिंग कारपोरेशन बैगलूर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है को यह मूल्यना जारी रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि लाइट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायक सम्पत्ति में हितवद्धु किमी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

रिक्त भूमि न० 50/ए-2, प्यालस रोड, बैगलूर-1  
पूर्व 92', पश्चिम 106', उत्तर-दक्षिण 60' कीट  
दस्तावेज न० 1473/74-75 तारीख 28-6-1974

प्रार० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
तारीख 26-2-1975 सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेज बैगलूर-1

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० आर०-62/3421/74-75—अतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति  
(जिससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है)  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 50/ए-3 है, जो प्यालस रोड, बैंगलूर-1  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर बैंगलूर  
दस्तावेज नं० 3716 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-12-74 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः :—

2—516GI/74

1. श्रीमती निर्मला बाई पल्ली श्री सी० के० एस० राव 355,  
1 कास, I ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)
2. 1: असोसिएटेड ट्रेडिंग कार्पोरेशन 14, इन्डियन साहेब स्ट्रीट,  
बैंगलूर-1
2. जकरिया हाशिम 11, एडवर्ड रोड, बैंगलूर-1  
(अन्तरिती)
3. 1. सिराजोद्दीन
2. सादात अली खान
3. मोहम्मद हुसेन भागीदार असोसिएटेड ट्रेडिंग कार्पोरेशन  
बैंगलूर-1

(वह अक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी  
आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप यदि कोई  
हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, - वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

रिक्त भूमि नं० 50/ए-3, प्यालस रोड, बैंगलूर-1  
पूर्व : 127', पश्चिम : 146'  
उत्तर : 62', दक्षिण : 62'।  
दस्तावेज नं० 3716/74-75 तारीख 3-12-74।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
दिनांक : 26-2-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मोहर : अर्जन रेज, बैंगलूर-1

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 268-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्ट०/१११/एस० आर०-१११/जून०११/७४-७५/७०८९—यतः मुझे एस० सी० परोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 268-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-१२ पूर्वी मार्ग, नार्थन, एक्सटेन्शन है जो पूसा रोड के पास नई दिल्ली में स्थित है, (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-६-१९७४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसरण में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सरदारनी हरनाम कोर, पल्ली सरदार संगत सिंह पुरी, बी०-१२, पूर्वी मार्ग, नार्थन एक्सटेन्शन एरिया, पूसा रोड, के पास नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बच्चन सिंह खरबन्दा, सुपुत्र श्री गोपाल सिंह खरबन्दा और श्रीमती रीता खरबन्दा, पल्ली श्री बच्चन सिंह खरबन्दा, बी०-१२ पूर्वी मार्ग नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. जे०टी० टोटलर, बी०-१२ पूर्वी मार्ग पूसा रोड, नई दिल्ली। (२) आर० ए० वाष्पावन, बी०-१२ पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (१) जे०टी० टोटलर, बी०-१२ पूर्वी मार्ग, पूसा रोड, नई दिल्ली। (२) श्री आर०ए० वाष्पावन, १२-बी० पूर्वी मार्ग पूसा रोड, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, सही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट पर 2 1/2 स्टोरी की बिल्डिंग बनी है, जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज, नं०बी०-१२, ब्लाक नं०१, है तथा जो एक पूर्वी मार्ग, नार्थन एक्सटेन्शन स्कीम, पूसा रोड के पास, नई दिल्ली में स्थित है: इसकी सीमाएं निम्न हैं:—

उत्तर: प्लाट नं० बी०-११

दक्षिण: प्लाट नं० बी०-१३

पश्चिम: सर्विस रोड

पूर्व: सड़क

एस० सी० परोजा  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज III, नई दिल्ली

दिनांक: फरवरी 1975

मोहर: |

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकीनाडा

Kakinada, the 27th February 1975

J. No. I(130)/74-75 Acq. File No. 159.—

यतः मुझे K. Subba Rao आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व (1) के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं-

Door No. 12-2-104 Balakrishna Market situated at Vijayawada

(इसमें उपावद अनुसूची में भी पूर्ण रूप दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vijayawada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) दिनाक

on 15-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए सुकर बनाना।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Sri Gopu Radha Krishna Aiya,  
2. Sri Srikrishna Arya,  
3. Sri Mukunda Krishna Arya,  
4. Sri Sudarana Krishna Arya, Vijayawada  
(अन्तरक)

(2) Sri Tatavarti Veera Alekha Gopalakrishna  
Suryanarayana Murthy, Vijayawad.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्याप्ति, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शब्द होंगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna, District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Rajendraprasad Street—Municipal Door No. 12-2-104 12/160—Present Asst. No. 9331—Ward No. 12—Revenue Ward 5—Block 8—NTS No. 505 property with its boundaries.

East: Compound wall of Shekh Sadulla Saheb.  
South: Site and shops of Sri K. Purnanandam.  
West: Eastern Side of Rajendraprasad Road.  
North: Site of Hazimunnisa Begum.

K. SUBBARAO.  
सकम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज  
Kakinada.

Date: 27-2-75

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए०पी० 1607/74-75—यतः मुझे थी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो सुलतान विड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्त राम सुपुत्र स्व० काहन चन्द 1704 भागीरथ पेलेस, आदिनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. निरैकारी फाइनेंसर्ज एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० चौक बाबा भौड़ी बाला अमृतसर तथा अमरीक सिंह सपुत्र फग्गासिंह 4543/36 गली नं० 2 गुरु नानक पुरा, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 686 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में है ।

बी० आर० सागर,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर ।

तारीख : 20-2-75

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० अम०/ए०पी०-1608/74-75—अतः मुझे  
वी० आर० सागर आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सूचना  
अधिकारी को, यह विवाह सरने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो सुलतान विड अमृतसर में  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मैं यह  
विवाह सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 व  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नगीन चन्द सपुत्र स्व० काहन चन्द, 1704 भागीरथ  
पलेस, चाँदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. निरंकारी फहनेन्सर्स एण्ड चिटफण्ड (प्रा०) लि० बाबा  
भोंडीवाला अमृतसर, अमरीक सिंह सपुत्र फग्ना सिंह 4543/36  
गली नं 2, गुरु नानकपुरा, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यालयीय शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही  
र्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि निम्नलिखित विलेख नं० 685 जून 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में है ।

वी० आर० सागर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)  
अर्जन रेंज, प्रमृतसर ।

तारीख : 20-2-1975 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी, 1974

निर्देश सं० अमृतसर/ए० पी०-1609/74-75—यतः मुझे वी० आर० सागर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो सुलतान विड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारिख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदनलाल सुपुत्र स्व० काहन चन्द, 1704 भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, दिल्ली । (अन्तरक)

2. निरंकारी फाईनेन्सर्ज एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० चौक बाबा भौड़ी वाला अमृतसर तथा अमरीक सिह सुपुत्र कमा सिह 4543/36 गली नं० 2, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखा है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 683, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में है।

वी० आर० सागर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए० पी०-1610/74-75—यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मुलतान विड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपबाह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति १० उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषासा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षमता :—

1. शोरी लाल सुपुत्र स्व० काहन घन्द, 1704 भागीरथ पीलेस, चांदनी चौक, दिल्ली । (अन्तरक)

2. निरंकारी फाईनैन्सर्स एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लिमिटेड, चौक, बाबा बाला श्रमतमर तथा श्रमरीक सिंह सुपुत्र फगा सिंह, 4543/36, गली 2 अमृतसर। (अन्तरिती)

3. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्रति आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भाग्यपत्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपल स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 684, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में है।

वी० आर० सागर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 20-2-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 28-2-1975

निक्षेप सं० सी आर 62/2592/74-75-यतः मुझे आर० क्रृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-० से अधिक है और जिसकी सं० रिक्त भूमि सर्वे नं० 47/1 और 57/5 (दिविशन 38) है, जो डॉड्बैलखाना बैंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर-4 (दस्तावेज नं० 1069/74-75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 3-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० चन्द्रसेखर सुपुत्र स्वर्गीय मुनिकनापा, 405/ए II मैन रोड, II ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)
2. श्री एस० चिष्ठस्वामी, सुपुत्र स्वर्गीय सुब्बम्या सेठी, 8/24, IV फ्रास, 1 ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरिती)
3. (1) श्री पी० डेविड सुपुत्र पाचप्पन (2) श्री जी० नारायण स्वामी, सुपुत्र एम० गोविन्दस्वामी (3) श्री एम० ए० बलरामन सुपुत्र इलमक्कथा (4) श्री कप्पप्पन सुपुत्र मुनिस्वामपा (5) श्री देवराजू सुपुत्र पापियन नायडु (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रिक्त भूमि सर्वे नं० 47/1 और 57/5, डॉड्बैलखाना, बैंगलूर 27, कार्पोरेशन डिविशन नं० 38 पूर्व पश्चिम 56 फीट उत्तर दक्षिण 131 फीट क्षेत्रफल 7336 वर्ग फीट सीमा

पूर्व: नाला और अन्य सम्पत्ति

पश्चिम: एम० जयराम की सम्पत्ति

उत्तर: पालम्पा की सम्पत्ति

दक्षिण: 30 फीट रोड

दस्तावेज नं० 1069/74-75 ता० 3-6-74।

आर० क्रृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख: 28-2-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 26 फरवरी 75

निर्देश सं० जालन्धर /१० पी०-७१०/७४-७५— यतः मूँझे  
रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट का भाग जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2865 जून 74 है तथा जो निकट बाजार इमाम नासर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

श्री सुरिन्द्र कुमार बाहरी सुपुत्र श्री धर्मपाल बाहरी, दस्तूर के० 185 अजीरपुरा जालन्धर। (अन्तरक) 6-516G/74

श्रीमती शुक्ला रानी पत्नी श्री रामपाल वेद कुमारी पत्नी श्री तिलक राज अग्रवाल बाजार चड़त सिंह, जालन्धर। (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कोई व्यक्ति जिसकी सम्पत्ति में रुचि है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2865 जून-1974 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर, में लिखा है।

रविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-2-75

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० जालन्धर/ए० पी० 711/74-75:—यह, मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट का 1/3 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2414 जून 1974 है तथा जो मास्टर मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा न नियमित किया था।

अत., अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमतण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधारी लाल चौपड़ा सुपुत्र श्री हस्ते राम ई०के० 90 शिवराज गैट, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री जगदीश कमार सुपुत्र श्री हरि चन्द्र एन० के० 213 वरणजीतपुरा जालन्धर। (अन्तरिती) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदात्म है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निपुणता कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आदेता ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदात्म विकास अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों हीर पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2414 जून 1974 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 26-2-75  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 22 फरवरी 1975

निदेश सं० 234/एकुरे III/74-75/कल:— यतः मुझे एस० के बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/4 है तथा जी जस्टिस द्वारका नाथ रोड पर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रचिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुकरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आमेश्वरन गान्जुली 165/बि०, राजा दिमेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री भागोद्दर भिह ग्रेजाल, 15 मादार्न एमिल्यु, कलकत्ता-26 (अन्तरिती)

3. श्री मेहर सिंह 15 सावान एमिल्यु, कल-26

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त नामों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20वां में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कारीब 5 कट्टा 8 छठांक 27 स्केट फुट जमीन साथ अस्थायी स्ट्राक्चरस (अंश पर) जो 2/4 जास्टिस द्वारका नाथ रोड, याना भवानीपुर कलकत्ता पर अब स्थित है और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 3253/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 22-2-1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —

आयर्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रीजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 12-2-75

निदेश सं० ए० सी० -८७/ग्रार०-II/कल०/७४-७५

अतः मुझे आर० बी० लालमोया

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं 23 ए०/78/7 और 23 ए०/78/8 है तथा जो हायमन्ड हावर्ड रोड ब्लाक-ई० न्यु अलीपुर, में कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार भ्राफ अस्पोरेन्सेज, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त रामार्ट दा उचित बाजार मरण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सविधा के लिए और/या

(क) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मर्लीपुर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड , 3, नेरिंगी अप्रैव  
कलकत्ता-1 (अन्तरक )

रामचन्द्र फोंगला (प्रगताशला) 8 शोभाराम वैमानिक  
स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસારી

13 कट्टा 10 छटाँक 26 वर्गफीट भूमि धोतला पका  
मकान तथा अन्य सामानों के साथ जो कि 23 ए०/78/6 और  
23 ए०/78/8 आयमन्ड हावर्ड रोड, ब्लाक 'ई', न्यू अलीपुर,  
कलकत्ता में अवधित है।

प्रार० वी० लालमोदा  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज II कलकत्ता  
 दिनांक: 12-2-75 54, रफीगढ़मद किदवाई रोड,  
 मुम्बई : कलकत्ता-16

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 फरवरी 1975

निदेश सं० 234/ए०कु०रे०-III/74-75/कल०—अतः मुझे, एम० के० टालसुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7 है तथा जो फार्ण रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-9-

1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए किपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43 की) धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) बैष्णवार्थ राय, 5/1/2 एम०, कर्मफिल्ड रोड, कल० (2) शिवनाथ राय, 317, बि० बि० चटर्जी रोड, कल० 42, (3) भूतनाथ राय, 317 एफ०,

बि० बि० चटर्जी रोड, कल०-42 (4) मनिमय राय, भूतनाथ राय द्वारा, बि० बि० चटर्जी रोड, कल०-42 (5) सुधामय राय 114, एकड़ालिया रोड, कल०, (6) श्रीमति कमलिनी देवी, स्वामी भोलानाथ राय, 317, बि० बि० चटर्जी रोड, कल०-42, (7) श्यामल कुमार राय, 317 बि० बि० चटर्जी रोड, कल०-42 (8) सुब्रत राय, सुधामय राय द्वारा, 115 एकड़ालिय रोड, कल० (9) स्वप्न कुमार राय, 317, बि० बि० चटर्जी रोड, कल० 42 (अन्तरक)

2. श्री गोपाल पाल बौधुरी, 171 एच० रासविहारी एवेन्यू कलकत्ता (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्टा 15 छटांक जमीन जो पौर सं० 7 फार्ण रोड, याना बालीगंज, कलकत्ता पर अवस्थित और जो डिस्ट्रिक रजिस्ट्रार, अलिपुर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० I 4340/19-74 के अनुसार है।

एस० के० बालसुब्रमनियन

स्थान प्राधिकारी  
उद्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, 54-रफीअहमद  
किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 21-2-75

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) वे अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1975

निवेद सं० 53-5/एक्सा०/53-एस०/अर्जन—अतः मुझे,  
विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्ता अधिनियम,  
कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
वो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
बिस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं०—है तथा जो डिस्पेंसरी रोड, चौमुखी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये  
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्वेत  
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्चने  
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 262ग के अनुसरण में, मैं  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) की धारा 269-प  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामेश्वर लाल जटिया (अन्तरक)

2. श्री श्रीकिशन ऊर्फ डा० गोपाल (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुत एवं और पदों का, जो आयकर<sup>अधिनियम 1961 (1961 का 43)</sup> के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
मर्य होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला दूकान जिसका रकमा 3795 रुग फुट है।  
जो कि डिस्पेंसरी रोड, चन्दौसी मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
दिनांक : 12-3-75 अर्जन रेंज, लखनऊ।  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भारत अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-V, कलकत्ता-16

कलवत्ता-16, छिनांक 27 फरवरी 1975

निर्वेश सं० ए०सी०-१२१/र० V/७४-७५/कलकत्ता—प्रत.  
मुद्रे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम 1961 (1971 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन हक्म प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर नम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, तिन तल्लापर है तथा जो 110, डा० मेघनाथ साहासरती, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और यह यह विष्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ता० जिस बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान परिमाण ने, ऐसा भीन राजिका दा पन्द्रह परिणत अन्तरक + और + 12% (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) ते वंच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण सिद्धित मे वास्तविक रूप ए रुक्षित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय री बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आय-वर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्रीमती सामिक्षी देवी सन्यालिय 110, साउदार्न एवेन्यू  
कलकत्ता ।  
(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल पोदार 26 ए, कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता  
दया शंकर सुलतानिया ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आश्रेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास निवित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं पर्याप्त होगा, जो उम अध्याय मे दिया गया है ।

#### अनुसूची

प्लाट 2 तिनतल्लापर साथ मकर घर, और गाड़ी का स्थान, जो 110 डा० मेघनाथ साहा सरनी कलकत्ता पर अवस्थित है "साउदार्न कोट" मकान का अन्तर्गत है और यह रजिस्ट्रीर आफ एयुरेसेस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत वलीम सं० 13358/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनिन,  
सकाम प्राप्तिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-54, रफीशहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16 ।

तारीख 27-2-75  
मोहन

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

ब्राह्मण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 27 फरवरी 1975

निदेश सं० ए०सी०-१२०/रे० /७४-७५/कलकत्ता—अतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियम  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
और जिसकी सं० प्लाट 1, तिनतल्लापर है तथा जो डा० 110,  
मेघनाथ साहासरनी, कल० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गा के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी सन्धालिया 110, साउदार्न एवेन्यू, कलकत्ता । (अन्तरक)-
2. श्री राधा किशन अगरवाल 26 ए०, कवाक स्ट्रीट कलकत्ता । (अन्तरिती)
3. श्री दयांकर सुलतानिया (वह व्यक्ति जो जिसके  
प्रविष्टीय में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिस-  
ब उक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

प्लाट नं० 1, तिनतल्लापर साथ नकर घर और गाड़ी का  
स्थान, जो 110, डा० मेघनाथ साहासरनी, कलकत्ता पर  
अवस्थित "साउदार्न कोर्ट" मकान का अन्तर्गत है और जो  
रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दस्तील  
सं० 13329/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-V, 54, रफीअहमद  
फिदावाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27-2-75 ।

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन गूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, V

54, रफीअहमद किदवाई, रोड,  
कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 27 फरवरी, 1975

निर्देश सं० ए०सी०-११९/रे० V/74-75/कलकत्ता—अतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन  
प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उ०-२ बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट 2, दो तल्ला पर है तथा जो 110,  
डा० मेधनाथ साहा सरनी कलकत्ता में स्थित है (और इसे  
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
वायुवोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
अ० यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दण्ड ५ रे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में क्र०५ किसी शाय की आवन आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने गा उससे  
बचने में सुविधा के लिए और/या

(म) ऐसी विभीषण या विभीषण या अन्य आत्मतयों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिकारी, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

बतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—  
7-516GI/74

- श्रीमती मामित्री देवी मन्थालिया 110, साउदार्न एमिन्य०, कलकत्ता (प्रत्यक्ष)
- श्रीमती शकुन्तला हरलालका 10, एलगिन रोड, कलकत्ता-20 (अन्तरिती)
- श्री पुरुषोत्तम कुमार आगरवाला (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी द्वारा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में परिभ्रषित है, यही  
प्रयृत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2, दोतल्लापर साथ मकर घर और गाड़ी का स्थान,  
जो 110, डा० मेधनाथ साहा सरनी, कलकत्ता पर अवस्थित  
"साउदार्न कोर्ट" मकान का अन्तर्गत है और जो रजिस्ट्रार आफ  
एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकूट दलील सं० I 3692/  
1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, V  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 27-2-75

मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० टी० प० ए० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, III 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० 239/ए०क०२०-II/कलकत्ता/74-75—यत्  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास थाने वा पारण है कि "एवर राप्टि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17/1 बी है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता मे स्थित है (और इससे उपायद्र अनुग्रही में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के टायिन्क मे कमी करने वा उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरमे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनन्द प्रकाश प्राग्न्यारा, 8 विश्वप ले०प रोड, कलकत्ता (प्रन्तरक)

2. (1) रानहाइयालाल सारफ (2) सीत देवी सारफ (3) निर्मल कुमार सारफ (4) विमला देवी केटीवट (5) विमला देवी केटावट और अन्यान्य 16, तापचन्द दा० रुट, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कई भी आंखें,

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 12 कट्टा 10 छटीक जर्मीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 वि० रिची रोड, कलकत्ता पर स्थापित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत बलील सं० 3414/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III  
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक 3-3-75

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी ग्रेड भीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा।

1975

नई दिल्ली -110011, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० एफ० 11/2/74-ई० I (बी)--- भारत के राजपत्र के भाग III, खण्ड 1 में दिनांक 22 जून, 1974 को प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस १० एफ० 11/2/74-ई० -I (बी) दिनांक 22 जून, 1974 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएँ :—

(i) नोटिस के पैरा 1 को इस प्रकार पढ़ा जाए :—

“भारत के राजपत्र दिनांक 22 जून, 1974 में भंग्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित तथा भारत के राजपत्र दिनांक 29 मार्च, 1975 में निकली ग्रंथिरूपना द्वारा तथा सशोधित नियमों के अनुसार केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की “चयन सूची” में सम्मिलित करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में ९ सितम्बर, 1975, से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा नी आयेगी।

ये रोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश ग्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उग्रावन्ध II का पैरा-9)।

(ii) नोटिस के पैरा 4 को इस प्रकार पढ़ा जाए :—

“भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव संघ लोक सेवा आयोग, ग्रीनब्रुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के ग्राप्त (19 अगस्त, 1974 को या उसपे पहले 19 अगस्त 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों या लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मानने में २ सितम्बर, 1974) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए विद्वारा तारीख के बाद नियमे वाले लिखी भी आवेदन-पत्र पर विवार नहीं किया जायगा।

नेत्रीय सचिवनाय न्डे ग्राफर सेवा के ग्रेड II के जो उम्मीदवार नामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० 5/25/74 - स०० एम० (i) दिनांक 29 मार्च 1975 के द्वारा अधिसूचित अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के नियमों में किए गए मरोदनों के अनुसार परीक्षा में बैठने के पात्र हैं, उनके आवेदन-पत्र 12 मई, 1975 (विदेशों में तथा अंडमान और निकोबार ग्रीनब्रुर या लक्ष्मीप में रहने वाले आवेदकों से 26 मई, 1975) तक स्वीकार किए जाएंगे।”

(iii) नोटिस के उपांग II के पैरा 2 (ii) को इस प्रकार पढ़ा जाए :—

“भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक मेवा आयोग, ग्रीनब्रुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उस नोटिस में निर्वाचित अंतिम तारीख तक प्रदान कर जाए।

नोटिस भे निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त जौने वाले विदेशों भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रमुखत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 अगस्त, 1974 से ग्राप्ते की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप में रह रहा था।

किन्तु शर्त यह है कि केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा प्रैड II में कार्यरत किसी उम्मीदवार में, जो विदेशों ने या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप में रह रहा हो, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 12 मई 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

(iv) नोटिस के उपांग II के पैरा 3 के नीचे वाले नोट की चौदहवीं पंक्ति में आए “मई, 1975” के स्थान पर “फरवरी, 1976” पढ़ा जाए।

एम० एस० थानवी,

श्रवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

विज्ञप्ति

ग्रेड II आयुर्वित्ती रीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० 13/11/74-ग्रेडमेट---केन्द्रीय समित्रालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड II की प्रवर सूची, भारतीय विदेश मेवा (ब) के सब काडर के आशुलिपिकों को श्रेणी II और सशम्भव सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड II में वृद्धि करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 20 सितम्बर, 1975 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नामपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन मन्त्रिमण्डल सचिवालय में कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 29 मार्च, 1975 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

संस्थान अपने निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जायगा कि उन्हें कहा, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर उपर्युक्त सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या निम्न दी गई है :—

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II 10\*\*

(ख) भारतीय विदेश सेवा (व्र) के सब काउंसिल के आशुलिपिक ग्रेड-II

(ग) सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II 1\*\*

\*वाद गे नियुक्ति की जाएंगी।

\*\*इस संख्या में परिवर्तन हो सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर उप-निदेशक (परीक्षा संकंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा ने राज्यव्यवस्था पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 12 मई, 1975 तक प्राप्त कि जाये नक्ते हैं आवेदन-प्रपत्र एक रुपये के मूल्य का पोस्टल ग्राउंडर गो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को २२ दुर्गारोड़ा प्राप्त कर्ता नेबा' शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 12 मई, 1975 तक प्राप्त किए सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम 'ग्रेड-II आशुलिपिक सीमित विभाग प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1975' स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को मोटे अक्षरों में अपने नाम तथा पते की तीन पर्चियों भी भेजनी चाहिये। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त तीन पर्चियों की पाप्ति पर आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिये जायेंगे यदि कोई उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीड डाक से मंगाना चाहता हो तो उसे एसा स्टांट कर देना चाहिए तथा एक रुपये की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपये के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पर्चियों भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनी आर्डर तथा चैक या कर्जसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपया अर्थात् हो रुपए की यह राशि किसी भी हात में वापस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के लिए भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए अर्थात् एक या दो रुपये की राशि, जैसी भी स्थिति हो, भारतीय उच्च आयुक्त/राज्य-दूत/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उक्त राशि को नेतृत्व दीर्घी '065-अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान—अन्य प्राप्तियां आवेदन प्रपत्रों की बिश्री' (महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) मे नामे छालने को करने तथा उस कार्यालय से टी० आर० 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर ले तथा उसे संस्थान को भेज

दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार के नाम तथा पते की मोटे अक्षरों में तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए।

नोट: आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 12 मई, 1975 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जायेगी। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 26 मई, 1975 तक भी स्वीकार कर ली जाएंगी।

4. भरा हुआ आवेदन प्रपत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कूल), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० ०-२ रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 के पास 12 मई, 1975 को या उसके पूर्व, उपाबंध में दी गई दिनांकों के अनुसार आवश्यक प्रभाग-प्रपत्र आदि के साथ अवश्य पूर्ण जाना चाहिए। नियुक्त तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में 12 मई, 1975 के पूर्व रहने वाला के आवेदन पत्र 26 मई, 1975 तक भी ले लिए जाएंगे।

नोट: 1 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें अपने आवेदन ग्रेड-II आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता-त्वक परीक्षा 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही प्रस्तुत करने चाहिए। ग्रेड-II आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता-त्वक परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर प्रस्तुत किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट-2— आवेदन-प्रपत्र की मार्ग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की ही होगी।

नोट-3—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के काउंटर पर दें, उन्हें उस लिपिक से जो उनसे आवेदन-पत्र प्राप्त करेगा, उसी समय पावती-पत्र ले लेना चाहिए।

5. (1) निर्धारित शुल्क : नीचे के सब पैरा (3) में आवाले वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित फीस देनी होगी :

12-00 रुपये (3-00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में)।

(2) पैरा 5 (1) में दी गई फीस रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भुगतान होना चाहिए जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देते हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए :—

पोस्टल आर्डर	केवल प्राप्तकर्ता
लेखा	सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान
	मई दिल्ली को रामकृष्णपुरम् (वितरण)
	डाकघर, नई दिल्ली-110022 पर देय।

प्रशिक्षण संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं भरेगा ।

(3) प्रशिक्षण संस्थान अपनी स्वेच्छा से निर्धारित फीस से भूत्त कर सकता है जबकि उसे इस बात से भनुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार बंगलादेश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया हो अथवा श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है ।

(4) तीसरों को जात होता चाहिए कि पोस्टल आर्डर वाले रेटिंग विना अपनी संचालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाक घर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है । आवेदन-पत्र के स्तम्भ 11 में पोस्टल आर्डर के पूरे व्यौरे भर देने चाहिए जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित फीस का रेटिंग भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे सरसरी तौर से देखकर ही अस्वीकृत कर दिया जाएगा । वह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो यात्रा: 1 जनवरी, 1964 के बाद (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 तथा 1 नवम्बर 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और फीस न दे सकते की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 5(3) के अनुसार निर्धारित फीस में छूट चाहते हैं ।

6. प्रशिक्षण संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी में संबद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा । फीस वापिस तभी की जाएगी जबकि परीक्षा स्थगित हो जाएगी ।

यदि उम्मीदवार को, उसका आवेदन-पत्र देर से पहुंचने के कारण, संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट न किया गया तो उम्मीदवार का आवेदन पत्र उसके पोस्टल आर्डरों सहित उसे वापिस भेज दिया जायेगा ।

7. आवेदन पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप-निदेशक (परीक्षा संकाय) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक-1, पोस्ट बैग -2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022, को सम्बोधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:-

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (3) रोल नं० या अन्य तिथि (यदि उम्मीदवार को रोल नं० न भेजा गया हो )
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में )
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक पता

इन विवरणों से रहित पत्राचार पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा । इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार सदा श्रेणी-II, आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा 1975 का अवश्य प्रयोग करें ।

मदन लाल  
निदेशक (परीक्षा)  
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

### अनुबन्ध

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. नोटिस के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से सम्बद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति उप-निदेशक (परीक्षा संकाय) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कायालिय से प्राप्त की जा सकती है । उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पास भी हैं या नहीं । निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है ।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए । सामान्यता चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से को अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए । प्रशिक्षण संस्थान अपने नियम से उस के द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी एक में अथवा किसी अन्य मिशन में उसे अपने खर्च पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है । जो उम्मीदवार विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के अनुलग्न के पैरा 3 के अनुसार सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र भीरा आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने खर्च पर ही किसी ऐसे अन्य मिशन में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहां पर ऐसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों ।

2. उम्मीदवार को आवेदन पत्र और अपने नाम तथा पते की 6 पर्यायों वाला कागज तथा पावती काँड़ अपने हाथ से भरना चाहिए । सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं । भरा हुआ आवेदन पत्र उप निदेशक (परीक्षा विभाग) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक 1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली 110022 को भेजना चाहिए ताकि वह नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए ।

टिप्पणी:- परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 3 के अनुसार सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपिक की परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक उम्मीदवार अपना विकल्प आवेदन पत्र के स्तम्भ 6

में स्पष्ट रूप में लिखें। एक बार का विकल्प अनितम समझा जाएगा और उक्त स्तम्भ में परिवर्तन करने का कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त स्तम्भ में कोई प्रविष्ट नहीं की गई तो उसका अर्थ यह समझा जाएगा कि उम्मीदवार नियित परीक्षा तथा आशुलिपी की परीक्षा अंग्रेजी में होंगे।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन यज्ञ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यह संस्थान यदि चाहे तो इस बात का नियित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह नोटिस के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को भेज देगा।

3. उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी भूठा व्यौरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. (1) उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहां वह काम कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1971 से आगे की उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ख) आवेदन पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1971 से आगे की उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के आधुनिक फोटो की पात्तपोर्ट साइज (लगभग 5 ले० मी० × 7 से० मी०) की दो समान प्रतियाँ।

(iv) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित प्रलेख (जहां उपयुक्त हो)।

(2) ऊपर की भद्र (i), (ii), (iii), तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का व्यौरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर “केवल प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएं।

“सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाक घर नई दिल्ली पर देय हूँ।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालात में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विस्पृष्टि या कटे फटे या काल तिरोहित पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट: जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (12-00 रु० के बराबर और शनुसूचित जातियों तथा शनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3-00 रु० के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च अधिकारी, राजदूत या प्रतिनिधि उस देश में जो भी हो, के कार्यालय में जमा करवाएं और उससे कहा जाए कि वे इस राशि को नेत्रा शीर्ष “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी अन्य सेवाएं—तन्दिमालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान—अन्य प्राप्तियाँ—परीक्षा शुल्क” (महालेखा-पाल केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा फर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन प्रपत्र के साथ भेजें।

(i) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहां उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, शनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, तीसवीं मन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अक्ष दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1971 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित आन्तिक पद तथा मौलिक स्थानापन, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया दुग्धा हो।

नोट: —आवश्यक होने पर प्रशिक्षण संस्थान सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख माग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार जो अपने आधुनिक फोटो की पासपोर्ट लाइन (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) की दो समान प्रतियाँ आवेदन पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो को पात्तेक पति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हो।

(iv) शुल्क की छूट और आयु छूट के अवधि में नीचे के पैरा 6 के प्रत्यक्ष वांछित कागजात दो प्रमाणित प्रतिलिपि, (जहां उपयुक्त हो), आवेदन-पत्र के साथ अवश्य ही प्रस्तुत हरी रोक चाहिए। प्रथम फोस माली अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र अध्यरूप या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ ऊपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी साथ न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दे दिया

नया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र मेजने के बाद शीत्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संस्थान के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को यह भी तेजावती दी जाती है कि जो भी प्रमाण पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में के कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का ऐरे बदल करें। और न ही फेर बदल किए गए प्रमाण पत्र प्राप्ति पत्र करे। यदि आई ऐसी अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में गलत से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से किस्यापित व्यक्ति, जो नियम 4 (ग) (ii) या 4 (ग) (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण पत्र लेकर उसकी सत्यापित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिये प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से यास्तविक विस्यापित व्यक्ति है जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भागत में प्रवेश किया है:—

- (1) दण्डकारण्य प्रयोजन के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न ग्राम्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट,
- (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला भजिस्ट्रेट;
- (3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अंतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
- (4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजन अफसर;
- (5) पश्चिमी बंगल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त/कलकत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राज-परिषद अधिकारी से प्रथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित गुन्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापिस नहीं किया जाएगा।

(ii) श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत फीस माफी और अथवा नियमों के पैरा 4 (ग) (iv) या 4 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह श्री लंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्री लंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस

देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत फीस की मूल शूट अथवा नियमों के पैरा 4 (ग) (viii) 4 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिचय प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता है। उस क्षेत्र के जिला भजिस्ट्रेट से प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से यास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून 1963 को अथवा उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iv) संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमत तथा दियु का उम्मीदवार जो नियम 4 (ग) (vi) के अधीन आयु सीमा में छूट का दावा करे वह निम्न अधिकारियों में से किसी एक से मूल प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे।

- (1) सिविल प्रशासन के निदेशक,
- (2) कोनसिल होस के प्रशासक,
- (3) मामलातदार।

(v) कीनिया, उगान्डा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 4 (ग) (vii) के अधीन आयु में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला भजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित यास्तविक व्यक्ति है।

(vi) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए विकलांग (प्रग्नहीन) हो गया है और नियम 4 (ग) (x) या 4 (ग) (xi) आयु में छूट नहीं वह महानिदेशक, पुनर्वास प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करे जिसमें वह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणाम स्वरूप उसे मुक्त कर दिया गया है।

उम्मीदवार द्वारा पेश किये जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि श्री

युनिट  
रेक नं. \_\_\_\_\_ विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/ अशांतिग्रस्त क्षेत्र\* में सैनिक सेवा करते हुए

फौजी कारवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणाम स्वरूप उसे मुक्त किया गया ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

दिनांक

\*जो लागू न हो उसे काट दें ।

(vii) नियम 4 (ग) (xiii) अथवा 4 (ग) (xiv) के अन्तर्गत आयु सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा-सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा असांतिग्रस्त क्षेत्रों में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में / असांतिग्रस्त क्षेत्र\* में फौजी कारवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

दिनांक

\*जो लागू न हो उसे काट दें ।

7. ऊपर के पैरा 6 में मांगे गये प्रमाण पत्र की प्रतियां निम्न-लिखित अधिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी चाहिए । ये अधिकारी अपना नाम, पद पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और मुहर/ रखड़ की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें :—

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी,
- (ख) संसदीय या राज्य विधान मंडलों या विली महानगर-परिषद् के सदस्य,
- (ग) सब डिविजन का मजिस्ट्रेट/अफसर,
- (घ) सहसीलदार या नायब / उप सहसीलदार
- (च) मान्यता प्राप्त उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/कालेज/उच्च शिक्षा संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक,

(छ) प्रबंध विकास अधिकारी,

(ज) किसी नगर निगम के सदस्य ।

8. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला नहीं: आवेदन पत्र की प्राप्ति से प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश के योग्य नहीं बन जाता ।

9. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र द्वारा भेजा हो, आवेदन पत्र जमा करवाने की अन्तिम तारीख 15 दिन तक अपने आवेदन पत्र का पावती पत्र न मिले तो उसके तत्काल प्रशिक्षण संस्थान में से सम्पर्क करना चाहिए ।

10. इस परीक्षा में प्रवेश किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी । परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जायेगी । यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख के एक महीने पहले तक उसके आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क करना चाहिए । इस उपबंध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जाएगा ।

11. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे ।

12. सचिवालय प्रशिक्षण शाला सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा सन् 1972, 1973 तथा 1974 में ली गई श्रेणी II आगुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्वक परीक्षा के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तकाओं की प्रतियोगी की विक्री प्रकाशन-नियंत्रक, सिविल लाइस्न, दिल्ली-110001, के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से बैंक मेल आर्डर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है । उन्हें (1) किताब महल, 14 जनपथ, बैरेंस 'ए' नई दिल्ली-110001 (2) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (3) गवर्नरमेन्ट आफ इण्डिया बुक डिपो 8, के० एस० राय मार्ग कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है । ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्सिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजन्टों से भी प्राप्त की जा सकती हैं ।

13. पते में परिवर्तन:-उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्र में लिखित पते पर भेजे गए पता आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते को भेज दिये जाया करें पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर संस्थान की सूचना मोटे प्रकारों में रोल नम्बर सहित छ: पर्चियों पर लिखित नये पते के साथ नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए । यद्यपि संस्थान ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता ।

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi-II, the 27th February 1975

No. D(21) AII/AII.—Shri Harinder Singh Dangi, Overseer, has been appointed to officiate as Assistant Manager (Technical), in the Govt. of India Press, Faridabad, under the Directorate of Printing, with effect from 27-1-1975 (F.N.), until further orders.

The 22nd March 1975

No. S(68)/AII.—Shri Shamsher Singh, a direct recruit candidate, is appointed to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Govt. of India Press, Faridabad, under the Directorate of Printing, with effect from 13-8-1973 (F.N.) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR  
Director of Printing

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
WEST BENGAL

Calcutta, the 7th February 1975

No. LA/20 (Admn.).—The A.G. West Bengal has been pleased to appoint Shri Sib Narayan Goswami a permanent Section Officer of the Local Audit Department of this office to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in temporary capacity with effect from the forenoon by this 7th February, 1975 until further orders.

S. M. DUTTA  
Examiner of Local Accounts  
West Bengal

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 22nd February 1975

No. 18278/AN-II.—On attaining the age of 58 years and expiry of 120 days' leave pending retirement granted from 1-2-1975 to 31-5-1975, Shri Bawa Sardari Lal, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31-5-75.

S. K. SUNDARAM  
Add. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE  
FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 10th February 1975

No. 8/75/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Dy. General Manager with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri S. S. Nutarajan, Permt. Manager—26th Nov., 1974

No. 9/75/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the dates shown against them, until further orders :—

1. Shri B. Lal, Offg. Dy. Manager—26th Nov., 1974.
2. Shri K. R. Padmanabhan, Offg. Dy. Manager—26th Nov., 1974.

3. Shri S. R. Chakraborty, Offg. Dy. Manager—26th Nov., 1974.
4. Shri Jogmohan Dev, Offg. Dy. Manager—26th Nov., 1974.
5. Shri S. Mukherjee, Offg. Dy. Manager—25th Nov., 1974.

M. P. R. PILLAI  
Asstt. Director General, Ordnance Fys.

## MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION  
Dhanbad, the 20th February 1975

No. Admn. 44(37)74.—Dr. P. K. Chatterjee is appointed as Dentist, Central Hospital, Kalla Asansol under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on purely temporary and *ad-hoc* basis from 13-8-73 (F.N.) to 27-8-73 (A.N.).

Dr Chatterjee relinquished charge of the post of Dentist under Coal Mines Labour Welfare Organisation from 27-8-73 (A.N.).

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 24th February 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/563/59-Admn. (G) /1359.—On attaining the age of superannuation, Shri R. K. Khandelwal relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area), New Delhi on the afternoon of the 31st January, 1975.

The 26th February 1975

No. 6/273/54-Admn. (G) /1502.—On premature retirement, Shri B. C. Banerjee relinquished charge of the post of Deputy Iron and Steel Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the forenoon of 22nd January, 1975.

No. 6/419/56-Admn (G) /1494.—The President is pleased to appoint Shri U. B. Pardeshee, Controller Class-I in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay to officiate as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in that office, on *ad-hoc* basis with effect from 9-12-1974 (forenoon), until further orders

B. D. KUMAR  
Chief Controller of Imports & Exports

## CORRIGENDUM

No. 6/141/61-Admn. (G) /1426.—Shri C. K. Rama-chandra Rao, Deputy Chief Controller of Imports & Exports Panjim (Goa) was allowed to prefix Sunday the 8th December, 1974 to the earned leave for 113 days preparatory to retirement granted to him w.e.f. 9-12-1974 in this office. Notification of even number dated the 14th January, 1975.

A. T. MUKHERJEE  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**  
Bombay, the 24th February 1975

No. 10(1)/73-75/CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB. II, dated the 19th December, 1974, namely :—

In the said Notification, for Explanation IV, the following shall be substituted, namely :—

"IV. For the purpose of this Notification, Indian cotton shall include all varieties of Indian cotton other than those having a staple length of 1.1/8" and above."

**G. S. BHARGAVA.**  
Joint Textile Commissioner

**MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)**  
**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi, the 25th February 1975

No. A-19018/128/74-Admn. (G).—Consequent upon his appointment as Assistant Director in the Bureau of Industrial Costs and Prices, New Delhi, Shri B. K. Handa, relinquished the charge of the office of the Assistant Director (Grade II) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the afternoon of 30th November, 1974.

The 26th February 1975

No. A. 19018/162/75-Admn. (G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri Mahendra Kumar (a quasi-permanent Small Industry Promotion Officer (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in Small Industries Service Institute, Ludhiana, on *ad hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Ludhiana on the forenoon of 18-2-75.

**K. V. NARAYANAN,**  
Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &  
DISPOSALS**

New Delhi-1, the 21st February 1975

No. A-1/1(925).—Shri P. M. Karnik permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Directorate of Supplies & Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

**CORRIGENDUM**

No. A-6/247(292)/60.—In line 9 of the office notification No. A-6/247(292)/60 dated 4-1-1975.

For 28-12-1974

Read

28-11-1974.

**K. L. KOHLI,**  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General of Supplies &  
Disposals

New Delhi-110001, the 22nd February 1975

No. A-15/5(291)/75.—The President is pleased to appoint Shri C. N. Raman, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service, as Senior Analyst in the Directorate General of Supplies & Disposals, with effect from the forenoon of 28th September, 1974 till further orders.

**BALWANT SINGH,**

Deputy Director (Administration)

**MINISTRY OF STEEL AND MINES**

**DEPARTMENT OF MINES**

**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-13, the 19th February 1975

No. 2251 (BAJ)/19B.—Shri B. A. Jambekar received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity from the forenoon of the 9th January, 1975.

No. 2222 (TKR)/19A.—Shri T. Kameswara Rao is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8-11-1974, until further orders.

No. 2222 (SS)/19A.—Shri S. Sankaran is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18-11-1974 until further orders.

The 21st February 1975

No. 2251 (NP)/19B.—On reversion from the National Mineral Development Corporation Ltd., Shri N. Patta-abiraman has resumed duties as Driller in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of the 4th January, 1975.

**C. KARUNAKARAN,**  
Director General.

**ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-12, the 21st February 1975

No. F.92-101/75-Estt./2370.—Shri T. K. Chattopadhyay, Zoological Assistant, is hereby appointed as Assistant Zoologist (Gazetted Class II) in a temporary capacity at the Headquarters office of the Zoological Survey of India, Calcutta, with effect from 15th February '75 (forenoon), until further orders.

**DR. S. KHERA,**  
Deputy Director-in-Charge,  
Zoological Survey of India.

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**

**FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 25th February 1975

No. 17/23/49-E.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri L. T. Fernandes, Officiating Salesman, Films Division, Bombay to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the forenoon of 12-2-1975 vice Shri D. N. Chawla, Branch Manager, Bombay granted leave.

**M. K. JAIN,**  
Assistant Admn. Officer,  
for Chief Producer.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd February 1975

No. 17-34/74-Admn.I.—Consequent on his transfer as Deputy Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services, Shri R. Balasubramanyan relinquished charge of the post of Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Organisation West Zone, Bombay, on the afternoon of the 14th January, 1975, and assumed charge of the post of Deputy Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 20th January, 1975.

The 26th February 1975

No. 19-15/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. Mohanavelu, Accounts Officer, Jawaharlal Institute, Pondicherry to the post of Administrative Officer, at the same Institute, with effect from the forenoon of the 27th January, 1975, and until further orders.

2. On reversion Shri S. George relinquished charge of the post of Administrative Officer, Jawaharlal Institute, Pondicherry and assumed charge of the post of Assistant Accounts Officer at the same Institute, with effect from the forenoon of the 27th January, 1975.

S. P. JINDAL,  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 27th February 1975

No. 20/6/(1)/75/CGHS.I.—Consequent on acceptance of resignation of Dr. (Miss) Subhasini Verma, Junior Medical Officer, Central Govt. Health Scheme, Delhi, she relinquished the charge of her post on the 22nd January, 1975 (afternoon).

K. VENUGOPAL,  
for Director General of Health Services.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
NATIONAL SUGAR INSTITUTE  
(DEPARTMENT OF FOOD)

Kanpur, the 14th January 1975

No. Estt.19(6)/3238.—Shri A. N. Nigam, Office Superintendent at National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate on the post of Accounts-cum-Stores Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 14th January, 1975 till further orders.

N. A. RAMAIAH,  
Director.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 15th February 1975

No. DPS/A/22011/13/74-Est.—Reference notification No. DPS/A/22011/13/74-Est dated July 15, 1974. For

the words "in a temporary capacity" appearing in line three of the notification please read "in the same capacity".

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st February 1975

No. A.38013/1/75-EC.—Shri D. N. Sharma, a permanent Technical Assistant and officiating as Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi relinquished charge of his post on the 31st December, 1974 (A/N), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 22nd February 1975

No. A.24012/16/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Ayyar, Assistant Communication Officer as Communication Officer in the office of the Regional Controller of Communication, Madras Region, Madras with effect from the forenoon of 1st February, 1973 to 1st June 1973 (F.N.) purely on an ad-hoc basis in the leave vacancy of Shri G. S. Ramakrishnan, Communication Officer.

The 24th February 1975

No. A.38013/1/75-EC.—Shri H. C. Kar a permanent Assistant Communication Officer, officiating Communication Officer in the Office of the Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his post on 31st October, 1974 (A/N) on retirement from Government Service on his attaining the age of superannuation.

The 26th February 1975

No. A.38013/1/74-EC.—Shri A. D. H. Carvalho, Assistant Communication Officer in the office of the Officer-in-Charge, Aeronautical Communication Station, Bhavnagar relinquished charge of his office on 27-1-75 (Afternoon) on retirement from Government service in terms of FR.56(I).

H. L. KOHLI,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General of Civil Aviation.

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th February 1975

No. 1/360/75-Est.—Shri A. K. Mahule is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Ariv Branch with effect from the forenoon of the 1st February, 1975 and until further orders.

The 21st February 1975

No. 12/1/75-Est.—Shri J. G. Awatramani, Offg. Traffic Accounts Officer, Headquarters Office, Bombay is appointed as Traffic Accounts Officer in a substantive capacity, with effect from the 1st October, 1974.

P. G. DAMLE,  
Director General.

Bombay, the 25th February 1975

No. 1/356/75-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. B. Pathare, Permanent Asstt. Supervisor, Bombay Branch, a Supervisor in an Officiating capacity in the same Branch for the following periods, against short-term vacancies :

From 28-10-74 to 16-11-74 (both days inclusive).  
From 18-11-74 to 21-12-74 (both days inclusive).

P. K. G. NAYAR,  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Nagpur-440001, the 21st February 1975

No. 1/75.—Consequent upon his appointment as Officiating Superintendent of Central Excise Class II, Shri S. D. Joshi, Officiating, Inspector of Central Excise (S.G.) of this Collectorate assumed charge as Superintendent (Prev. I), Central Excise, I.D.O. Jabalpur in the forenoon of 26th November, 1974.

R. N. SHUKLA,  
Collector  
Central Excise, M.P. & Vidarbha

EXCISE & CUSTOMS : PATNA

Patna, the 19th February 1975

C. No. II(7)1-ET/70/1641.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) New Delhi's order no. 191/74 issued vide their letter F. No. 22012/22/74-Ad.II dated 17-12-74, Shri P. K. Chaturvedi assumed charge of Superintendent Class-I land customs station Raxaul on 27-1-75 (F.N.).

H. N. SAHU.  
Collector  
Central Excise, Patna.

Calcutta, the 18th February 1975

No. 10.—On promotion to the grade of A.O. Shri Krishna Gopal Mukherjee took over charge of A.O. Krishnagore Customs Division on 10-1-75 vice Shri Sanjib Chandra Banerjee, A.O. transferred.

No. 11.—On transfer from Krishnagore Customs Division Shri Sanjib Chandra Banerjee, A.O. took over charge of A.O. Burdwan Central Excise Divn. on 17-1-75 (A/N) vice Shri M. L. Guha, A.O. transferred.

No. 12.—On transfer from Burdwan Central Excise Division Shri M. L. Guha, A.O. took over charge of A.O. Chandernagore Central Excise Division on 22-1-75 (F/N) relieving Shri M. N. Mukherjee, Supdt. of the additional charge.

No. 13.—On promotion to the grade of Supdt. Class II Shri Sibram Gon assumed charge of Supdt. I.R. at Headquarters Office West Bengal, Calcutta on 16-1-75 (F/N).

No. 14.—On transfer from Collectorate Headquarters Office Shri Surya Kanta Dutta, Supdt. Cl. II assumed charge of Haldirati Range under Jalpaiguri Central Excise Division on 4-1-75.

No. 15.—Shri Kshittish Chakraborty, Supdt. Cl. II, assumed charge of Petrapole Road Customs Station under Petrapole Customs Circle on 8-1-75 (F/N) on being relieved from the charge of Krishnagore Customs D.P.U. where he was transferred temporarily.

No. 16.—Shri Jatindra Mohan Chakraborty, Supdt. of Central Excise Class II lately working as Supdt. (Prev.) Jalpaiguri Central Excise Division retired from Government service with effect from 31-1-75 (A/N).

N. N. ROY CHOUDHURY,  
Collector, Central Excise, W. Bengal.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 17th February 1975

No. A-19012/531/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission (now Central Water Commission) hereby appoints Shri Kuldip Singh, Supervisor to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the afternoon of 9th October, 1974 until further orders.

Shri Kuldip Singh took over charge of the office of Assistant Engineer in the Badarpur Thermal Power Project with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON,  
Under Secretary,  
for Chairman, C.W. Commission.

New Delhi-22, the 21st February 1975

No. A-19012/486/74-Adm.V.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri B. K. Rajeev, relinquished charge of the office of Extra Assistant Director, Central Water Commission w.e.f. the afternoon of 3rd Feb., 1975.

JANGSHER SINGH,  
Under Secretary,  
for Chairman, C.W. Commission.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Mehta Pharmaceuticals Private Limited.

Tamil Nadu, the 1975

No. DN/5177/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Mehta Pharmaceuticals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Manivannan Roadways Private Limited

Tamil Nadu, the 1975

No. DN/4856/DN/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Manivannan Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Swarupam Transport Private Limited

Tamil Nadu, the 1975

No. DN/4895/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months

from the date hereof the name of Swarupam Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jasmine Transports Private Limited*

No. DN/5075/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Jasmine Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Madras Engineering Works Private Limited*

No. DN/5108/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Madras Engineering Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Maileri Bus Transports Private Limited*

No. DN/5012/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Maileri Bus Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved

S Srinivasan,  
Assistant Registrar of Companies,  
Tamil Nadu.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sharantusaweshwar Dairy & Farms Private Ltd.*

Bangalore, the 21st February 1975

No. 2129/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sharantusaweshwar Dairy & Farms Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Nisti Farm and Farm Aids Private Ltd.*

Bangalore, the 21st February 1975

No. 2130/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nisti Farm and Farm Aids Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

PROBODH,  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Akew Private Limited*

Bombay, the 17th February 1975

No. 13874/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Akew Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
Rashtriya Sahitya Niketan Ltd.*

New Delhi-1, the 22nd February 1975

No. 1060/2439.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rashtriya Sahitya Niketan Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

R. K. JAIN  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana  
New Delhi-1.

**NOTICE UNDER SECTION 445(2)**

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Alpha Fruit Products Private Limited.*

Ahmedabad, the 22nd February 1975

No. 1918 (Liquidation).—By an order dated 27-9-1974 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 21 of 1973, it has been ordered to wind up M/s. Alpha Fruit Products Private Limited

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat.

**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

Bhubaneswar the 13th February 1975

No. Ad I-1/74-75.—Shri G. B. Seth, Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Cuttack Range, Cuttack was granted commuted leave for 33 days from 11-11-74 to 13-12-74 with permission to prefix 9-11-74 and 10-11-74 and suffix 14-12-74 and 15-12-74 which are holidays to the leave

2. Shri N. Sahu Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Berhampur Range Berhampur was appointed to hold the charge of A.A.C. Cuttack Range, Cuttack during the absence of Shri Seth, on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave, Shri G. B. Seth took over charge of A.A.C. Cuttack Range, Cuttack as such on the forenoon of 16-12-74 relieving Shri Sahu of the additional charge.

The 14th February 1975

No. Ad. I-1/74-75.—Sri K. C. Mohapatro, Addl. Ward-B, Cuttack was granted Earned leave for 19 days from 9-7-74 to 27-7-74 with permission to suffix 28-7-74 which is holiday to the leave.

2. Sri P. K. Mishra, I.T.O., Ward-C, Cuttack was appointed to hold the charge of Addl. I.T.O., Ward-B, Cuttack during the absence of Sri Mohapatro on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave Sri Mohapatro took over charge of Addl. I.T.O., Ward-B, Cuttack as such on the forenoon of 29-7-74 relieving Sri Mishra of the additional charge.

M. W. A. KHAN  
Commissioner of Income-tax,  
Orissa, Bhubaneswar.

Patna, the 18th February 1975

No. I.T. XIII-1/64-65.—In partial modification of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 124 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna hereby directs that with effect from this date the Income-tax Officer, Ward-A, I.T. Circle-II, Patna and Income-tax Officer, Ward-B I.T. Circle-II, Patna shall exercise and hold concurrent jurisdiction in respect of the assessee of the Ward-A, Circle-II, Patna whose names begin with alphabets "N" to "Z".

The 20th February 1975

The following list of assessees on whom penalty of not less than Rs. 5000/- was imposed during the financial year, 1973-74 is notified for publication u/s 287 of the I.T. Act, 1961.

Sl. No.	Name and address	Status	Asstt. year	Amount of penalty (In Rs.)
1	2	3	4	5
1.	Shri Satyadeo Singh, Katras.	Ind.	1970-71	5,703
2.	M/s. Satish Trading Co., Katras	Firm.	1971-72	8,007
3.	Agarwala Bros., Dhansar	A. P.	1962-63	2,53,239
4.	Durga Coal Co., Bansjora	Firm.	1967-68	97,721
5.	Do.	Do.	1968-69	75,712
6.	Do.	Do.	1969-70	112,213
7.	Ideal Keshalpur Coll. and Selected Keshalpur Coll. Co., Katras	Do.	1970-71	5,314
8.	East Kujama Colliery, Jharia	Do.	1962-63	50,000
9.	Do.	Do.	1963-64	11,220
10.	Maheshlal Sao, Rajganj	HUF	1968-69	8,000
11.	Satyadeo Singh, Katras	Ind.	1970-71	22,700
12.	Chanchani Bros., (Cont) Pvt. Ltd., Dhanbad	Company	1970-71	5,000
13.	H. B. Chanchani, Shanti Bhawan, Dhanbad	Ind.	1970-71	5,000
14.	M/s. Hindustan Malleables & Forgings Ltd., Dhanbad	Limited Company	1966-67	45,587
15.	Do.	Do.	1967-68	24,036
16.	Do.	Do.	1968-69	19,178
17.	Do.	Do.	1969-70	19,256
18.	Smt. Sarbati Devi, C/o Kundanlal Satyanarayan, Kirkend	Ind.	1970-71	14,000
19.	Do.	Do.	1971-72	8,000
20.	M/s. Bharat Tobacco Co., Jharia	Firm.	1971-72	5,400
21.	Shri P. M. Chowhan, Dhanbad	Ind.	1969-70	6,268
22.	M/s. Dewatram Dulichand, Jharia	Firm.	1968-69	19,648
23.	Do.	Do.	1969-70	38,463
24.	Do.	Do.	1970-71	35,600
25.	Dulichand Agarwal, Jharia	Ind.	1970-71	5,333
26.	Dwarka Das Agarwal, Jharia	Do.	1970-71	6,787
27.	Shri Prayaglal Agarwall, Jharia	Do.	1970-71	8,062
28.	M/s. Makhanlal Harnarain, Jharia	Firm.	1969-70	6,243
29.	Do.	Do.	1969-70	5,140
30.	Sri Mohanlal Agarwalla, Kirkend	Ind.	1968-69	16,399
31.	Do.	Do.	1967-68	19,343
32.	Do.	Do.	1966-67	13,060
33.	Sri Etwari Mehto, Dhanbad	Do.	1966-67	18,500
34.	Sri Indra Jitendra Narain Singh, Legal heir of Late Raja Bahadur Kasakhya Narain Singh, Padma, Hazaribagh	Do.	1967-68	16,000

JAGDISH CHAND,  
Commissioner of Income-tax,  
Bihar-I, Patna

## FORM ITNS

(2) Sardar Gurajit Singh,  
S/o S. Atma Singh,  
R/o 21, Mall Road, Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 24th February 1975

Ref. F. No. 124/Acq/Agra/74-75/2934.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6/363 situated at Lajpat Kunj, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 25-7-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ludin Chand Dhawan,  
S/o Shri Shiv Dayal Dhawan,  
R/o N-105, Greater Kailash, Delhi.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 6/363, situated at Lajpat Kunj, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 80,000/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 24-2-75  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 24th February 1975

Ref. No. 119/Acq/Agra/74-75/2935—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/79 situated at Dares No. 2, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 5-7-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Omar S/o Sri Maula Bux, Smt. Nasreen Wd/o Sri Gulamuddin, Kum. Tehsin D/o Sri Zahiruddin, Sri Khaliluddin S/o Sri Gulamuddin, Kum. Misso D/o Gulamuddin, Kum. Bua D/o Sri Gulamuddin, Smt. Bashiram alias Basso Wd/o Sri Nuruddin alias Chunna,

Usif, China and Mistar alias Mirajuddin sons of Sri Chunna, Shamin and Muveen sons of Sri Chunna, Kum. Zarina and Muveena and Aroz D/o Sri Chunna, S/Sri Abdul Aziz, Abdul Sattar and Abdul Gaflar sons of Imtiaz, Kum. Ajijan D/o Imtiazi, Sri Alladia S/o Saddo alias Shabzad, Kum. Hafizan D/o Saddo alias Shahzad, Master Munna S/o M. Asgari, Kum. Mehrul D/o M. Asgari, All residents of Mohalla Jeenkhana, Agra.  
(Transferor)

- (2) S/Sri Munni Lal, Tara Chand, Gopal Dass and Om Prakash sons of Late Sri Shanker Lal All residents of Chhatta Bazar, Agra.  
(Transferee)
- (4) Sri Vishambar Prasad alias Visheshwar Prasad, 3/79, Daresi No. 2, Agra.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 3/79, Daresi No. 2, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur,

Date : 24-2-75  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jot Ram s/o Shri Matu Jat,  
Village and Post Office Satrod Khas,  
Tehsil and District Hissar.

(Transferee)

(2) The Principal Officer,  
M/s Transel Chains (India) Ltd.  
Registered Office 67, Shardhanand Marg,  
Delhi-6.

(Transferee)

(3) Shri Parma Nand,  
s/o Late Shri Gopi Chand Ahuja,  
Fazilka.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,

Chandigarh, the 4th February 1975

Ret. No. HSR/30/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 13 kanals and 8 marlas bearing Khasra No. 166/15-16, situated at Village Satrod Khas, Tehsil Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

9—516GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals 8 marlas bearing Khasra No. 166/15-16, situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 809 of June, 1974 of the Registered Officer, Hissar.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 4th February 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref. No. HSR/39/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 15 kanals 7 marlas bearing killa Nos. 166/14-17, situated at Village Satrod Khas, Tehsil Hissar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sarvshri I. Giani, Al. Teju Ram, sons of Shri Jot Ram, Residents of Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar. (Transferor)
- (2) The Principal Officer, M/s Transel Chains (India) Ltd, Registered Office 67, Shardhanand Marg, Delhi-6. (Transferee)
- (3) Shri Parma Nand Ahuja, s/o Late Shri Gopi Chand Ahuja, Fazilka. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 7 marlas bearing Killi No. 166/14-17, situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 811 of June, 1974 of the Registered Office, Hissar.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 4th February 1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref. No. HSR/40/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 11 kanal 4 marlas bearing Killa Nos. 166/6-4, situated at Village Satrod Khas, Tehsil Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hissar in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sarvshri 1. Giani, 2. Teju Ram, sons of Shri Jot Ram, Residents of Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s Transel Chains (India) Ltd. Registered Office 67, Shardhanand Marg, Delhi-6.

(Transferee)

(3) Shri Parma Nand Ahuja, s/o Late Shri Gopi Chand Ahuja, Fazilka.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 kanals 4 marlas bearing Killa Nos. 166/6.4, situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 815 of June, 1974 of the Registering Officer, Hissar.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh

Date : 4th February 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref. No. HSR/41/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 8 kanals bearing Khasra No. 166/7, situated at Village Satrod Khas, Tehsil Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jot Ram s/o Shri Matu Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar. (Transferor)

- (2) The Principal Officer, M/s Transel Chains (India) Ltd. Registered Office 67, Shardhanand Marg, Delhi-6. (Transferee)
- (3) Shri Parma Nand, s/o Late Shri Gopi Chand Ahuja, Fazilka. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 kanals bearing Khasra No. 166/7, situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 819 of June, 1974 of the Registered Officer, Hissar.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 4th February 1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th February 1975

Ref. No. C.R.62/2666/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property bearing Nos. 568, 569 and 570 situated at Ashoka Market, Avenue Road, Bangalore-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1211/74-75 on 14-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. S. Satyanarayana Setty,  
2. R. G. Vishwanath Setty,  
No. 12, Appajappa Agrahe, Bangalore-18.  
(Transferor)
- (2) Smt. R. Santhamma W/o N. R. Rama Setty,  
No. 5, Shardhananda Road, V. V. Puram, Bangalore-4  
(Transferee)
- (3) 1. Anantha Glass Emporium,  
2. T. K. Nanjunda Setty,  
3. Gunda Jyothi Pharmacy,  
4. Kanakaraja & Co.,  
5. Raghavendra Silk Koti,  
6. Jai Agency,  
7. Bangalore Stationery Mart,  
8. K. Nandakumar,  
9. P. M. Dresses,  
10. Kishore Plastics,  
11. Textiles,  
12. Maruti Paper Mart,  
13. Jai Agency,  
14. T. K. Nanjunda Setty,  
15. T. K. Nanjunda Setty,  
16. V. Soundararaj,  
17. Premchand,  
18. Shantilal,  
19. Tulsidas Ashoka Kumar,  
20. Muralidhar Moolchand.

Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Nos. 568, 569 and 570, Ashoka Market, Avenue Road, Bangalore-2.

Document No. 1211/74-75/dated 14-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 14-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri V. Rajagopala Setty,  
No. 405, Avenue Road, Bangalore-2.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th February 1975

Ref. No. CR62/2667/74-75/Acq(B).—Whereas, I, Shri R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing Nos. 568, 569 and 570 situated at Ashoka Market, Avenue Road, Bangalore-2 Gandhi Nagar, Bangalore-9, Document No. 1211/74-75 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at on 14-6-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) 1. Shri R. S. Satyanarayana Setty,  
2. R. G. Vishwanatha Setty,  
No. 12, Appajappa Agrahara, Bangalore-18  
(Transferee)

(3) 1. Anantha Glass Emporium,  
2. T. K. Nanjunda Setty,  
3. Gunda Jyothi Pharmacy,  
4. Kanakaraj & Co.,  
5. Raghavendra Silk Koti,  
6. Jai Agency,  
7. Bangalore Stationary Mart,  
8. Shri K. Nandakumar,  
9. P. M. Dresses,  
10. Kishore Plastics,  
11. Textiles,  
12. Maruthi Paper Mart,  
13. Jai Agency,  
14. T. K. Nanjunda Setty,  
15. T. K. Nanjunda Setty,  
16. V. Soundararaj,  
17. Premchand,  
18. Shantilal,  
19. Tulsidas Ashoka Kumar,  
20. Muralidhar Moolchand.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Nos. 568, 569 and 570, Ashoka Market, Avenue Road, Bangalore-2.

Document No. 1212/74-75/dated 14-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 14-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) 1. Mr. Chhotubhai. B. Patel,  
 2. Smt. Malti C. Patel,  
 No. 380, 100 Road, Indiranagar,  
 H.A.L. 2nd Stage, Bangalore.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th February 1975

Ref. No. C.R./2650/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a vacant site of plot No. 260 Situated at Upper Palace Orchards, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 998/74-75 on 1-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Premlatha, A. Kothaval,  
 No. 74, Miller Road, Bangalore-52  
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site of Plot No. 260, Upper Palace Orchards, Bangalore.

Site Area=40'×91'=3,640 sq. ft.  
 Document No. 998/74-75 dt. 1-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Bangalore.

Date : 15-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th February 1975

Ref. No. C.R.62/2618-A/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House bearing No. 996/116, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10, Document No. 1390/74-75 on 6-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranga Charya,  
Uttaradhi Mutt, Besavanagudi,  
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Mudde Gowda,  
No. 71/12, Rajajinagar,  
Bangalore-10.

(Transferee)

(3) 1. Shri P. V. Ramakrishnan,  
2. Shri Kabasad Gowda,  
3. Shafinlla Khan,  
4. H. M. Puttaswamy.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House bearing No. 996/116, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore-10. Total Site area measuring 3825 Sft.

Document No. 1390/74-75 dated 6-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 14-2-1975

Seal :

FORM NO. ITNS

(1) Shri K. Neelakanta Iyer,  
No. 9/1, Devis Road, Civil Station,  
Banagalore-1.

(Transferor)

(2) 1. Dr. M. Raju,  
2. Shri M. Madan, and  
3. Shri M. Suresh,  
No. 1624/5, Nagappa Block, Sriramapuram,  
Bangalore-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
AQUISITION RANGE.

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th February 1975

Ref. No. C.R.62/2660/74-75/Acq(B).—Whereas, I,  
R. KRISHNAMOORTHY,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-  
sition Range, Bangalore-27  
being the competent authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a vacant site bearing No. 371,  
situated at Palace Upper Orchards, Bangalore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1092/74-75  
on 7-6-1974,

for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consider-  
ation and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the Parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
person, namely:—

10—516GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing No. 371,  
Upper Palace Orchards, Bangalore.

Site area—8860 sq. ft.

Document No. 1092/74-75 dt. 7-6-74.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 14-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE.  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th February 1975

Ref. No. C.R.62/2656/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops and House property bearing Municipal Nos. 18 to 26 and 408 to 411 situated at Sampige Road, 8th Cross, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1071/74-75 on 6-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Muniratnamma,  
2. Shri Y. G. Munichandra Gowda,  
Yalahanka Town, Bangalore North Taluk.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri N. Jaganath,  
2. M. N. Viswanath,  
106, R. T. Street, Bangalore City.  
(Transferee)
- (3) S/Shar  
1. S. Srivatsa,  
2. Nagaraja,  
3. K. Santhoji Rao,  
4. Smt. Santhamma,  
5. K. Arumugam,  
6. Padmaji Rao,  
7. V. N. Subramanyan,  
8. Smt. Papamma,  
9. J. N. Krishnan,  
10. Smt. Kamalamma,  
11. B. Kodandaram,  
12. M. Narayana Swamy,  
13. M. Munivenkatappa.

(Person(s) in occupation of the Property):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops and house property bearing Municipal Nos. 18 to 26 and 408 to 411 Sampige Road, 8th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

East to West 120'  
North to South : 30'  
Total Area of Site 3,600 Sft.

## BOUNDARIES

East : Conservancy Road.  
West : Sampige Road  
North : 8th Cross  
South : Nagappa's House.  
Document No. 1071/74-75 dated 6-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 14-2-1975  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th February 1975

Ref. No. C.R.62/3664/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property being a residential house bearing No. 14, V Cross, in between I Main Road and situated at Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1207/74-75 on 14-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. Rukmini,  
Care of Power of Attorney Holder,  
Shri T. N. Krishna Rao,  
No. 64, 4th Cross, Swimming Pool Extension,  
Malleswaram, Bangalore-3.  
(Transferor)
- (2) Shri G. Vasudev,  
No. 14, V Cross, in between I Main Road and  
Sampige Road, Malleswaram,  
Bangalore-3.  
(Transferee)
- (3) Dr. Krishna Sharma.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a residential house bearing No. 14 Vth Cross (100' Road), in between I Main Road and Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Total Site area : 30' × 62' = 1860 Sq. ft.)  
(Document No. 1207/74-75, dated 14-6-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 14-2-1975  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th February 1975

Ref. No. C.R.62/2663/74-75/Acq.(B).—Whereas I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being a vacant site situated at 'Beaufort' bearing Corporation Old No. 9, New No. 19, I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560006, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officers at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1205/74-75 on 14-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. G. Boraiah S/o Bore Gowda, Associate Professor of Botany, University of Agricultural College, Bangalore-560024.

(Transferor)

(2) Smt. Giriyamma wife of late Venkatappa, Thumbodi Village, Kortagere Taluk, Tumkur District, represented by her Special Power of Attorney Holder, Sri T. S. Sitharam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land, formerly a portion of the large premises known as 'BEAUFORT' bearing Corporation Old No. 9, and New No. 19, I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560046.

Site area : E W=45'  
N S = 70' + 61' }  
— 2 } = 2947 sq. ft.

## BOUNDARIES

E=The New 30' Cross Road.

W=The portion of 'Beaufort' compound belonging jointly to Ramachandra Sinhji, Bharat Sinhji and their sons.

N=The Plot sold to Sri M. Basappa.

S=The portion of the Plot bearing Corporation No. 19A/5, Jayamahal Cross Road, Jayamahal Extension, sold to Smt. Gowramma.

(Document No. 1205/74-75 dated 14-6-1975)

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 15-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. R. Shardamma,  
No. 25, 9th Cross, Cubbonpet,  
Bangalore City.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th February 1975

Ref. No. C.R. 62/2591/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House in Municipal No. 27, 2718 situated at Basappa Lay Out, Gavipuram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4, Document No. 1047/74-75 on 1-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mahadevamma and  
Shri K. N. Adavisharadya,  
No. 121, 4th Main Road, Chamarajpet  
Bangalore City.

(Transferor)

(2) Smt. R. Shardamma,  
No. 25, 9th Cross, Cubbonpet,  
Bangalore City.

(Transferor)

(3) Shri N. G. R. Naidu.

[Person(s) in occupying of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential house in Municipal No. 27, 2718, Basappa Lay Out, Gavipuram, Bangalore.

Site Area :

East to West 75'	3.375 Sq. ft.
North to South 45'	

## BOUNDARIES

East : Site No. 26

West : 40' Road

North : Road

South : Property No. 28

Document No. 1047/74-75 dated 1-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 12-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1. Shri H. P. Raja Shekhar,  
920. Laxmipuram, Mysore-4.

(transferor)

2. Smt. K. S. Lata,  
Daughter of Smt. K. C. Susheela,  
Ranga Rao Road Cross,  
Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th February 1975

Ref. No. C.R. 62/2738/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being a vacant site bearing No. 463/D, Raja Mahal Vilas Extension situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Revenue-Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1630/74-75 on 11-7-194, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a vacant site bearing No. 463/D, Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore.

Site area : 40' × 60'=2400 sq. ft.

Document No. 1630/74-75 dated 11-7-194.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 15-2-1975

Seal :

## FORM JTNS

tion, Mysore, Jayalakshmipuram, Mysore.

(Transferor)

(2) Smt. Mary Mathew,  
No. 15, Ashram Road,  
Mahalakshmipuram, Mysore.

((Transferee))

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1975

Ref. No. C.R. 62/2772/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being a residential house bearing No. 15, situated at Ashram Road, Jayalakshmipuram Extension, Mysore-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters Sub-Registrar, Mysore—Document No. 1351/74-75 on 15-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bala Gopala Varma,  
Lecturer in the Regional College of Educa-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a residential house bearing No. 15, Ashram Road, Jayalakshmipuram Extension, Mysore-12.  
Site area :  $\frac{100' \times 91' \times 150' \text{ Minus } 65' \times 75'}{2} = 14255 \text{ sq. ft}$

(Document No. 1351/4-75 dated 15-7-1974).

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 24-2-1974,  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVPRNMFT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1975

Ref. No. C.R.62/2663/74-75/Acq.(B).—Whereas J. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being a residential house bearing No. 14, un-finished about 30 squares on site about 1106 sq. yards in Yadavagiri Extension, situated at Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hd. Qrs. Sub-Registrar, Mysore, Document No. 794/74-75 on 1-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

1. Smt. Leelavathi,  
Smt. Malabeyee, and  
Smt. Jayashreebayee,  
Door No. 1179, Kurubageri, Lashkar,  
Mohalla, Mysore.  
(Transferor)

2. Sri A. S. Chinnappa,  
Smt. Thangamma Chinnappa, and  
Sri A. Appachu,  
Azad Hind Estate, Palibetta, South Coorg.  
(Transferee)

\*3. M/s Vikrant Tyres Ltd.,  
13th Cross, Kalida Road,  
V. V. Mohalla, Mysore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a residential house, bearing No. 14, un-finished about 30 squares on site about 1106 sq. yds. in Yadavagiri Extension, Mysore.

Ground floor about 18 squares.

First floor about 12 squares.

Document No. 794/74-75 dated 1-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date: 24-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Kumari K. S. Nalini,  
Siddarama Krupa'  
38, Range Rao Road,  
Shankarapuram,  
Bangalore-4.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1975

Ref. No. C.R. 62/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 463/D, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore, (and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (in Document No 1022/74-75, on 3-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri H. P. Raja Sekhar,  
No. 920, Taxmipuram,  
Mysore-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 463/D situated in Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore, measuring 60'×40' covered. Document No. 1022/74-75 registered in the Sub-Registrar's Office, Gandhinagar, Bangalore. (Document No. 1022/74-75 dated 3-6-1974).

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date: 24-2-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th February 1975

Ref. No. C.R. 62/2695/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being a vacant site bearing Corporation Assessment No. 205, in Corporation Division No. 31, situated at Gavipuram, Bangalore.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 1496/74-75 on 26-6-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Lakshmidevi,  
2. Shri Ramanna,  
No. 3, 4th Cross, Chamarajpet,  
Bangalore-18.

(Transferor)

- (2) Shri K. N. Puttanka,  
No. 27/3, 5th Cross, K. G. Nagar,  
Bangalore-19.  
Smt. Narasamma,  
No. 231/12, III Main, K. C. Nagar,  
Bangalore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a vacant site being Corporation Assessment No. 205, in Corporation Division No. 31, Gavipuram, Bangalore.

$$\text{Site Area} = \frac{40' + 97'}{2} \times 235' = 16332 \text{ sq.ft.}$$

Document No. 1496/74-75 dated 26-6-1974.

## BOUNDARIES

East : Tar Road.  
West : Hillock  
North : Madhavarayar's Land  
South : Nagamma's Land

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 3rd March 1975

Ref. F. No. Acq/23/Hardwar/74-75/2961.—Whereas, I Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jodha Mal Road, Hardwar, Pargana Jwalapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 20-6-74 Hardwar on 20-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Radha alias Radha Bai W/O Sri Kesho Das, R/O Shravan Nath Nagar, Mayapur, Pargana Jwalapur, Hardwar. (Transferor)

(2) Shri Ram Prakash S/O Sri Navneeyat Ram R/O Pahari Bazar, Kankhal, Parg. Jwalapur, Distt Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Jodha Mal Road, Hardwar, Pargana Jwalapur consisting of three godams, one kothari, sahan and stairs transferred for apparent consideration of Rs. 35,500.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-3-75

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Raj Kumari W/O Sri Ram Prakash S/O Sri Navneeyat Ram R/O Pahari Bazar, Kankhal, Parg. Jwalapur, Hardwar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 3rd March 1975

Ref. E. No. Acq/22/Hardwar/74-75/2960.—Whereas, I,

Y. Khokhar,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jodha Mal Road, Hardwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 20-6-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely—

(1) Shrimati Radha alias Radha Bai W/O Sri Kesho Das, R/O Shrawan Nath Nagar, Mayapur, Pargana Jwalapur, Hardwar.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Jodha Mal Road, Pargana Jwalapur, Hardwar consisting of three rooms, two rooms without roof, two latrins, two baths, one kitchen and one store, in an area of 204.39 Sq. Meter transferred for apparent consideration of Rs. 35,500.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-3-75

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Nirmala Bai w/o C. K. S. Rao, 355, I Cross, I Block Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferor)

(2) 1. Associated Trading Corporation, 14, Ebrahim Saheb St. Bangalore-1. 2. Zakria Hashim, No. 11, Edward road, Bangalore-1.  
(Transferee)

(4) 1. Sirajuddin, 2. Sadab Ali Khan, 3. Mohammed Hussain, P/R in Associated Trading Corporation. 4. Hirur Dayanand Setty, 5 Crescent road, Bangalore-1. 6. Cyril J. Pinto, 17/20, Spencer cross road, Frazer town, Bangalore-1.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th February 1975

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

No. C.R. 62/2682/74-75.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Vacant site No. 50/A-1, situated at Palace road Bangalore-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1472 on 28-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 50/A-1, Palace road, Bangalore-1.  
Measurement.—E.—78' 6"

W.—92'  
N.—60'  
S.—60'

Document No. 1472/74-75 dt. 28-6-74.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th February 1975

No. CR. 62/2683/74-75.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site No. 50/A-2, situated at Palace Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1473/74-75 on 28-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Nirmala Bai w/o Shri C. K. S. Rao, 355, I Cross, I Block Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferor)

- (2) 1. M/s. Associated Trading Corporation, 14, Ebrahim Saheb St. Bangalore-1, 2. Shri Zackria Hashim, No. 11, Edward Road, Bangalore-1.  
(Transferee)

- (3) Nil.  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) (i) Shri Sirajuddin, (ii) Sadat Ali Khan, (iii) Mohammed Hussain, Partners in M/s. Associated Trading Corporation, Bangalore.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 50/A-2, Palace Road, Bangalore-1.  
Measurements :

East—92'

West—106'

North-South—60'

Document No. 1473/74-75/dated 28-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 26-2-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Nirmala Bai w/o C. K. S. Rao, 355, I Cross, J Block Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferor)

(2) 1. Associated Trading Corporation, No. 14, Ebrahim Saheb St. Bangalore-1. 2. Zackria Hashim, 11, Edward road, Bangalore-1.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th February 1975

No. C.R. 62/3421/74-75.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 50/A-3, Palace Road, Bangalore-1 situated at Palace Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. 3716 on 3-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(4) S/Shri (1) Sirajuddin, (2) Sadab Ali Khan, (3) Mohammed Hussain P/r. in M/s. Associated Trading Corporation, Bangalore-1.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 50/A-3, Palace Road, Bangalore-1,  
Measurements :

East—127 ft.

West—146 ft.

North—62 ft.

South—62 ft.

Doc. No. 3716/74-75 dated 3-12-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3rd FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the February 1975

Ref. No. I.A.C. Acq. III/SR. III/June II/7089.—  
Whereas I, S. C. PARJYA,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-12 situated at Poorvi Marg, Northern Extension Scheme, near Pusa Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 25-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Sardarni Harnam Kaur w/o Sardar Sangat Singh Puri, B-12, Poorvi Marg, Northern Extension Area, Near Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh Kharbanda s/o Sh. Gopal Singh Kharbanda & Smt. Rita Kharbanda w/o Shri Bachan Singh Kharbanda r/o B-12, Poorvi Marg, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri J. D. Tytler, B-12, Poorvi Marg, Pusa Road, New Delhi, Sh. R. S. Bhadawan, B-12, Poorvi Marg, New Delhi. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri J. D. Tytler, B-12, Poorvi Marg, Near Pusa Road, New Delhi, Shri R. S. Bhadawan, B-12, Poorvi Marg, Pusa Road, New Delhi. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storey building built on a plot mg. 1000 sq. yds. bearing No. B-12, in block No. 1 and situated at Poorvi Marg, Northern Extension Scheme, Near Pusa Road, New Delhi and bounded as under:—

North—Plot No. B-11

South—Plot No. B-13

West—Service Road

East—Road

S. C. PARJYA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi

Date: February, 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Sri Tatavarti Veera Alekha Gopalakrishna  
Suryanarayana Murthy, Vijayawada.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1975

Ref. No. J. No. (139)/74-75/Acq. File No. 159.—  
Whereas, I K. Subba Rao  
being the competent authority under section 269B of the  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Door No. 12-2-104 situated at Balakrishna Market  
Vijayawada  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on 15-6-74  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) 1. Sri Gopu Radha Krishna Arya, 2. Sri  
Srikrishna Arya, 3. Sri Mukunda Krishna Arya,  
4. Sri Sudarsana Krishna Arya, Vijayawada.

(Transferors)

12—516GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the Said Act, shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada  
Municipality Vijayawada Town Rajendraprasad Street,  
Municipal Door No. 12-2-104, 12/160 Present Asst. No.  
9331 Ward No. 12 Revenue Ward 5, Block 8, NTS No.  
505 property with its boundaries.

East—Compoundwall of Sheikh Sadulla Saheb.  
South—site and shops of Sri K. Puranadam.  
West—Eastern side of Rajendraprasad Road.  
North—Site of Hazimunnisa Begum.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date 27-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1607/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram s/o Late L. Kahan Chand, 1704 Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Nirankari Financiers & Chit Fund (P.) Ltd., Chowk Baba Bhauriwalla, Amritsar and S. Amrik Singh s/o S. Phagga Singh, House No. 4543/36, Gali 2, Gurunanak pura, Amritsar. (Transferee)

- (3) The Persons occupying the Property. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 686 of June, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-2-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1608/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Nagin Chand s/o Late L. Kahan Chand, 1704, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Nirankari Financiers & Chit Fund (P.) Ltd., Chowk Baba Bhauriwalla, Amritsar and S. Amrik Singh S/o S. Phagga Singh, 4543/36, Gali No. 2, Gurunanak Pura, Amritsar. (Transferee)

- (3) The Persons occupying the Property. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 685 of June, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 20-2-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1609/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Sultanwind, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal s/o Late L. Kahan Chand, 1704 Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Nirankari Financiers & Chit Fund (P.) Ltd., Chowk Baba Bhauriwala, Amritsar and Amrik Singh s/o Phagga Singh, 4543/36, Gali No. 2, Amritsar. (Transferee)

(3) The Persons occupying the Property. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 683 of June, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-2-75

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s. Nirankari Financiers & Chit Fund (P.) Ltd., Chowk Baba Bhauriwal, Amritsar and S. Amrik Singh s/o S. Phagga Singh, House No. 4543/36, Gali 2, Amritsar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1610/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property situated at Sultanwind, Amritsar, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shori Lal s/o Late L. Kahan Chand, 1704 Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi.  
(Transferor)

(3) The Persons occupying the Property.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 684 of June, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-2-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th February 1975

No. C.R. 62/2592/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property being a revenue land pertaining to S. Nos. 47/1 and 57/5, Division No. 38 situated at Doddabailkhana, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4, Doc. No. 1069/74-75 on 3-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Chandrasekhar, S/o of late Munikannappa, No. 405/A, 2nd Main Road, II Block,

Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Shri S. Chinnaswamy, S/o of Late Subbaiah Chetty No. 8/24, 4th Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

- (3) 1. P. David S/o Pachappan, 2. G. Narayanaswamy S/o M. Govindaswamy, 3. M. E. Balaraman, S/o Illamalliah, 4. Kanappan S/o Muniswamappa, 5. Devaraju S/o Papiyan Naidu.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a revenue land pertaining to S. Nos. 47/1 & 57/5, Doddabailakhana, Bangalore-27, Corporation Division No. 38.

Measurements :

East to West—56', North to South—131', Site area 7,336 Sq. ft.

Boundaries :

East—Drainage followed by other property.

West—Property belonging to Mr. M. Jayaram.

North—Property of Palamma.

South—30 ft. Road.

Doc. 1069/74-75 dated 3-6-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 28-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
JULLUNDUR

Jullundur, the 26th February 1975

Ref. No. Juc/AP-710/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property (having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2865 situated at B2 Imam Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Kumar Bohri S/o Shri Dharm Paul Bohri WK—185 Ajit Pura Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shrimati Shukla Rani w/o Shri Ram Paul Gupta, Ved Kumari w/o Shri Tilak Raj Aggarwal Bazar Charat Singh, Jullundur  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the Registered Deed No. 2865 June 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th February 1975

Ref. No. Juc/AP-711/74-75.—Whereas, I, Ravindra Kumar being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2414 situated at Master Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Cirdhari Lal Chopra S/o Dulo Ram EK-90, Shiv Raj Garh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar S/o Shri Hari Chand NK-213 Charanjit Pura, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any Person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the registered Deed No. June 74 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDRA KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Bhagwinder Singh Grewal,  
15, Southern Avenue, Calcutta-26.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd February 1975

No. —— Whereas, I L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/4 situated at Justice Dwaraka Nath Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Alekhyadhone Ganguly  
165/B, Raja Dinendra St., Calcutta.

(Transferee)

(3) Sri Mehar Singh (partly)  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5 cottahs chattacks 27 stt. more or less together with semipermanent structures standing in a portion of the land at premises No. 2/4, Justice Dwarka Nath Road, P.S. Bhwanipur, Calcutta as per deed No. I-3253 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 22-2-75

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Ram Chandra Fogla (Agarwalla)  
8, Sovaram Bysack Street, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th February 1975

No. Ac-87/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/78/7 & 23A/78/8 situated at Diamond Harbour Rd., Block-E, New Alipore, Calcutta-53, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 8-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Alipore Properties Pvt. Ltd.,  
3. Chowringhee Approach, Calcutta-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Free land of 13-kottahs, 10-chittaks & 26-sq. ft. together with all that two storeyed pucca building and all structures, constructions, fittings and fixtures etc. in premises No. 23A/78/7 & 23A/78/8, Diamond Harbour Road, Block-E, New Alipore, Calcutta

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 12-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

21 February, 1975

No. 234 Acq./ R-II/74/5—C.I.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority, u. section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. 7, situated at Forn Road, Calcutta, (and more fully described in Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore on 21-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration before by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the deviation in such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Baidyanath Roy of 5/1/2, M, Cornfield Road, Calcutta.
2. Shubhadeep Roy of 317, B. B. Chatterjee Road, Jalavpur, Calcutta-42.
3. Bhutnath Roy of 317F, B. B. Chatterjee Road, Calcutta.

4. Manimoy Roy by Bhutnath Roy of 317, B. B. Chatterjee Road, Calcutta.
5. Sudhamoy Roy of 115, Ekdalia Road, Calcutta.
6. Smt. Kamalini Debi W/o Bholanath Roy, 317, B. B. Chatterjee Road, Calcutta.
7. Shyamal Kr. Roy S/o Bholanath Roy, B. B. Chatterjee Road, Calcutta.
8. Subrata Roy by Sudhamoy Roy of 115, Ekdalia Road, Calcutta.
9. Swapan Kr. Roy of 317, B. B. Chatterjee Road, Calcutta.

(Transferor)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2 cottahs and 15 chittacks more or less situated at premises No. 7, Forn Road, P. S. Ballygunge, Calcutta as per deed No. I-4340 registered by the District Registrar at Alipore.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax ( Acquisition  
Range-III, Calcutta.

Date 21-2-1975

Seal .

## FORM ITNS

(2) Shri Kishan Alias Dr. Gopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 12th March 1975

Ref. No. 53-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Dispensary Road, Chandausi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

A shop measuring about 3795 Sq. ft. situated at Dispensary Road, Chandausi, Moradabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshwar Lal Jatia.

(Transferee)

Date : 12-3-1975.

Seal :

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

## FORM ITNS

(2) Shri Ratan Lal Poddar,  
26A, Camac Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-121/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2 on 3rd floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia,  
110, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

- (2) Shri Daya Shankar Sultania,  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor together with one servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court' situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. 3328 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 27-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Radha Krishan Agarwala,  
26A, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA.(3) Shri Daya Shankar Sultania,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-120/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Flat No. 1 on 3rd floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flt No. 1 in 3rd floor together with one servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. 3329 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia,  
110, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 27-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shrimati Sakuntala Harlalka  
10, Elgin Road, Calcutta-20.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Purusotham Kr. Agarwala.  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-119/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority

under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 in the 2nd floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia,  
110, Southern Avenue, Calcutta-29.  
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 2nd floor together with a servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court' situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. I-3692 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. SUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 27-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Kanhaiyalal Saraf  
 2. Sita Devi Saraf  
 3. Nimal Kumar Saraf  
 4. Bimla Devi Khetawat  
 5. Bimala Devi Khetawat  
 16, Tarachand Dutt Street, Calcutta.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 3rd March 1975

Ref. No. 239/Acq.R-III/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/1B, situated at Ritchi Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Anand Prokash Agarwalla,  
 4, Bishop Lietoy Road, Calcutta.

(Transferor)

Date : 3-3-1975

Seal

L. K. SUBRAMANIAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range III  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16.

## FORM ITNS—

(2) Shri Gur Vachan S/O Sri Karam Chand and Smt. Santosh W/O Sri Gurvachan, R/O 42, Ring Road, Agra.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th February 1975

Ref. F. No. Acq/120/Agra/74-75/2933.—Whereas, I  
**Y. Khokhar**  
being the Competent Authority  
under section 269L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9/(6)/39/89 situated at Eighty Master Plan Road, Agra

(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been  
transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Agra on 9-7-74  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Smt. Veena Devi W/O Sri Ram Swaroop  
Malhotra, 9, Lajpat Kunj, Master Plan Road,  
Agra.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 9/(6)/39/89, Eighty Master Plan Road, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 1.20,000.

**Y. KHOKHAR**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-2-75

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE

SECTION OFFICERS' GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 29th March 1975

No. F. 11/2/74-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 11/2/74-E.I(B) dated 22nd June, 1974, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 22nd June, 1974, the following amendments shall be made :—

(i) Para 1 of the Notice should read as under :—

"A limited departmental competitive examination for inclusion in the select list for the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 9th September, 1975 at DELHI and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 22nd June, 1974 as amended by their Notification in the Gazette of India dated 29th March, 1975

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 9)."

(ii) Para 4 of the Notice should read as under :—

"The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 19th August, 1974 (2nd September 1974 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th August, 1974), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

Applications from candidates belonging to Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service who are eligible in terms of amendments to the Rules for the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1975 notified *vide* Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 5/25/74-CS(I) dated 29th March, 1975 will be accepted up to the 12th May, 1975 (26th May, 1975 from those residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep)".

(iii) Para 2(ii) of Annexure II to the Notice should read as under :—

"The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to

furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 19th August, 1974.

Provided that a candidate belonging to Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service who is residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th May, 1975.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission."

(iv) For the word and figure 'MAY, 1975' occurring in line 14 of Note below para 3 of Annexure II to the Notice the word and figure 'FEBRUARY, 1976' should be substituted.

M. S. THANVI,  
Under Secy.,  
Union Public Service Commission

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT  
NOTICE

GRADE II STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

New Delhi, the 29th March 1975

No. 13/11/74-Arrng.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade I & II of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will be held by the Institute of Secretariat Training & Management on the 20th September, 1975 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India dated the 29th March, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of this examination is given below :—

(i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II 10\*\*

(ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II \*

(iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade II 1\*\*

\*Will be determined later.

\*\*This number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2 Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 12th May, 1975. They

are also obtainable from the Institute by post up to the 12th May, 1975 on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training & Management'. The name of the examination—GRADE II STENOGRAPHERS LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975—should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one, i.e. he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, will in no case be refundable.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head '065—Other Administrative Services—C. Other Services—I.S.T. & M.—Other Receipts—Sale of Application forms (adjustable by the Accountant General, Central Revenue, New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

**NOTE.—**No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 12th May, 1975, except from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep which will, however, be entertained upto the 26th May, 1975.

The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Wing No. 6, Post Bag No. 2, R.K. Puram, New Delhi-110022, on or before the 12th May, 1975, accompanied by necessary documents in accordance with the instructions to Candidates contained in Annexure I. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the 12th May, 1975 will, however, be accepted upto the 26th May, 1975.

**NOTE 1.—**Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1975. Application on form other than the one prescribed for the Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1975 will not be entertained.

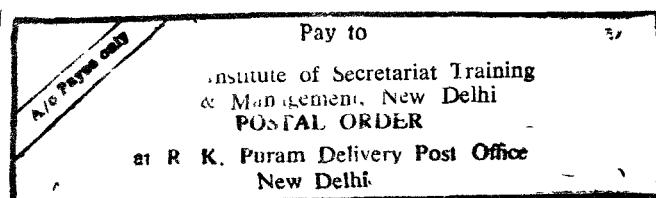
**NOTE 2.—**Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

**NOTE 3.—**Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement cards from the Clerk who receives the applications from them.

**5. (i) Prescribed Fee**—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-para (iii) below, must pay the following fee to the Institute with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Institute of Secretariat Training & Management. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—



The institute will not accept payment made otherwise.

(iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh ( erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971) or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT, NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI, FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH 1971), 1ST JUNE 1963, AND 1ST NOVEMBER 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Institute, because of late receipt of his application, his application alongwith the postal orders, will be returned to the candidate.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH (IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE)
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1975."

MADAN LAL,  
Director (Examinations),  
Institute of Secretariat Training & Management.

## ANNEXURE

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Deputy Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Institute, be required to appear at his own expenses at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer paper (ii) General Knowledge and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Deputy Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN, IN ENGLISH.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Institute be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the Institute.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4(1) A candidate must send the following documents with his application :

(i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training & Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi, for the prescribed fee.

(ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.

(b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st January, 1971, attested by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.

(iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm  $\times$  7 cm approx.) photograph of the candidate.

(iv) Documents required (where applicable) vide paragraph 6 below.

(2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows :—

"Pay to the Institute of Secretariat Training & Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

NOTE.—Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "065—OtherS Administrative Service—C. Other services, I.S.T. & M.—Other Receipts—Examination fees" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book attested by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant), nationality, name of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the case of candidates belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), educational qualification, and specimen signature of the candidate.

(b) Certified true copy of the particulars of service since 1-1-1971, attested by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Institute may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

(iii) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm  $\times$  7 cm approx.) photograph which should be pasted on the application form in the space provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iv) The documents required vide para 6 below (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation of age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to

be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application, should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Institute's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6(i) A displaced person from Bangladesh (Erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in-charge of Refugees Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta;

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and/or age concession under Rule 4(c)(iv) or 4(c)(v) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession under Rule 4(c)(viii) or 4(c)(ix) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1973, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) should produce an aforesaid copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrator of the Councils.
- (3) Mamlatdars.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), claiming age concession under Rule 4(c)(vi) should produce an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being the resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 4(c)(x) or 4(c)(xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri .... of Unit ..... was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Name .....  
Designation .....  
Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(c)(xii) or 4(c)(xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*Form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri .... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Name .....  
Designation .....  
Date .....

7. Copies of the certificates mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following, who should indicate his name, designation, full address, date of attestation and affix his seal/rubber stamp, below the signature :—

- (a) Gazetted Officers of the Central or a State Government.
- (b) Members of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi.
- (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers.
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars.
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools/Higher Secondary Schools/College/Institutions of higher learning.
- (f) Block Development Officers.
- (g) Members of a Municipal Corporation.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

10. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute of Secretariat Training & Management a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should once contact the Institute. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Institute of Secretariat Training & Management for attending the examination.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination held by the Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management in 1972, 1973 and 1974 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, 14-'A' Janpath Barracks, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The Pamphlets are also obtainable from the

agents for Government of India Publications, at various mofussil towns.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER AND THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.